आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक-05 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

भोपाल
07 जुलाई 2025 सोमवार

आज का मौसम
25 अधिकतम
18 न्यूनतम

Page-7

### संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम व ईरान पर हमले की निंदा

# ब्रिक्स में मोदी-आतंकवाद की निंदा सिद्धांत बने भड़के ट्रंप-अब10 फीसद अतिरिक्त टैरिफ लगेगा

**रियो डी जनेरियो एजेंसी।**

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया है। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा है। इससे पहले एक जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। मोदी ने कहा कि %20वीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम

हैं। एआई के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होता। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते।

इस समिट में मोदी ने कहा कि ब्रिक्स देशों की अलग-अलग सोच और बहुध्रुवीय दुनिया में भरोसा ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। बैंक को सिर्फ उन्हीं प्रोजेक्ट्स में पैसा लगाना चाहिए जो जरूरी व लंबे समय तक फायदे वाले हों। मोदी ने एक ऐसा ब्रिक्स रिसर्च सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा, जहां सब देश मिलकर विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर काम कर सकें। उन्होंने कहा कि किसी देश को यह हक नहीं कि वो किसी भी संसाधन को सिर्फ अपने फायदे के लिए या हथियार की तरह इस्तेमाल करे।

## भड़के ट्रंप, अमेरिका का इरादा किसी को छूट देने का नहीं

वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों पर एक्स्ट्रा 10 फीसद टैरिफ का ऐलान किया है। ट्रम्प ने ब्रिक्स से जुड़ने वाले देशों को धमकी दी व कहा कि जो देश अमेरिका विरोधी ब्रिक्स नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। दरअसल, ब्रिक्स घोषणापत्र में विश्व व्यापार संगठन के नियमों के खिलाफ बढ़ते टैरिफ पर चिंता जताई गई है। इन टैरिफ को वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला के लिए खतरा बताया गया। हालांकि में सीधे तौर पर अमेरिका का नाम नहीं लिया गया।

### लुधियाना में रोड शो

# पंजाब से निवेश लाने के मिशन पर पहुंचे मोहन, मप्र की ब्रांडिंग

**भोपाल दोपहर मेट्रो**

मप्र में रोजगार और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की कड़ी में आज सीएम मोहन यादव पंजाब में हैं, वे लुधियाना में रोड शो कर रहे हैं। देश के प्रमुख औद्योगिक शहरों में शुमार लुधियाना टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग के लिये जाना जाता है, साथ ही आईटी व अन्य क्षेत्रों में भी वहां खासा काम हुआ है। मप्र सरकार को उम्मीद है कि वहां के कारोबारी मप्र में निवेश करेंगे।

मुख्यमंत्री ने आज सुबह भोपाल में पूर्व सीएम स्व सुंदरलाल पटवा की पत्नी फुलकुंवर पटवा के 95 वें जन्मदिवस पर विधायक सुरेंद्र पटवा के निवास पहुंचकर बधाई दीं।

आज सीएम इनसे चर्चा कर मप्र में निवेश के लिये खूबियों की ब्रांडिंग करेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री यादव बेंगलुरु और सूरत में रोड शो कर चुके हैं। आज वे मध्यप्रदेश के निवेश संवादों की तीसरी कड़ी के रूप में लुधियाना में उद्योगपतियों और निवेशकों से चर्चा कर रहे हैं। बताया जाता है कि मोहन यादव लुधियाना स्थित वर्धमान टेक्सटाइल और दीपक फास्टनर जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों का दौरा भी करेंगे तथा वहां उद्योगों की कार्यसंस्कृति और नवाचार क्षमताओं को जानने के साथ मध्यप्रदेश में व्यावहारिक सहयोग के रास्ते भी तलाशेंगे। मप्र सरकार को ट्राइडेंट ग्रुप से नयी उम्मीदें भी हैं। लिहाजा शाम को सीएम कंपनी मुख्यालय में आयोजित हाई-टी इंटरएक्शन में पहुंचेंगे। जिसमें कंपनी के नेतृत्व के साथ संभावित औद्योगिक निवेश और साझेदारी के पहलुओं पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री लुधियाना के प्रमुख उद्यमियों और औद्योगिक समूहों के पदाधिकारियों के साथ व्यक्तिगत बैठकों में भी भाग लेंगे। इन संवादों में उद्योग प्रतिनिधियों से संभावित निवेश प्रस्तावों, साझेदारी के क्षेत्रों और आवश्यक सरकारी सहयोग जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। सरकार को उम्मीद है कि कुछ निवेश प्रस्ताव आज दिनभर के मंथन के बाद ही मिल सकते हैं।

## अयोध्या से लौटते जत्थे का वाहन पेड से टकराया, 3 मौत

**ब्योहारी** एजेंसी। आज तड़के शहडोल के ब्योहारी थाना क्षेत्र के जोरा में तेज रफ्तार तूफान वाहन पेड़ से टकरा गया, जिसमें सवार तीन महिलाओं की घटना स्थल मौत हो गई। यह सभी छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं और अयोध्या दर्शन कर वापस लौट रहे थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है इनमबें चार की हालत गंभीर है। बताते हैं कि यह वाहन यूकेलिप्टिस के पेड़ से टकरा गया। वाहन में कुल 20 लोग सवार थे, ड्राइवर के अलावा सभी महिलाएं एवं बच्चे है।

## इजरायल ने लाल सागर के बंदरगाहों पर हमले किये

**यरुशलम/सन्ना।** इजरायल ने कल देर रात यमन में लाल सागर के बंदरगाहों पर हवाई हमले किये हैं। यह हमला इजराइली सेना द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों को तत्काल क्षेत्र को खाली निकासी की चेतावनी जारी करने के कुछ ही मिनटों बाद पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने होदेइदाह बंदरगाह सहित यमन के पश्चिमी तट पर कई स्थानों पर विस्फोटों की सूचना दी।

## मुठभेड में नक्सलियों का कुख्यात स्नाइपर मारा गया

**बीजापुर एजेंसी।** जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक कुख्यात नक्सली ढेर हो गया है। मारा गया नक्सली नक्सलियों की मिलिट्री कंपनी का स्नाइपर बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, मारा गया नक्सली सोढ़ी कन्ना था, जो जगरगुंडा थाना क्षेत्र के किस्टारम का रहने वाला था। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

## धोनी 44 के हुए, रांची में मनाया जन्मदिन

**रांची एजेंसी।** टीम इंडिया को अपनी कप्तानी में 3 आईसीसी ट्रॉफी दिलाने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने आज सोमवार को अपना 44वां जन्मदिन मनाया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें धोनी केक काटने से पहले दोस्तों से इजाजत लेते नजर आ रहे हैं। धोनी ने रांची स्थित अपने फार्महाउस पर करीबी दोस्तों के साथ बर्थडे सेलिब्रेट किया।

### पानी रे पानी...

# धंस रही सड़कें, टूट रहे संपर्क, पहाड़ों से मैदानी मप्र तक बादलों की स्ट्राइक

**भोपाल, नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो/एजेंसी**

देश के कमोबेश हर राज्य में जमकर मानसून गरज और बरस रहा है। इससे आपदाएं भी बढ रही हैं। मध्यप्रदेश के कई जिलों में लगातार तेज बारिश होने की वजह से हालात बिगड़ गए हैं। मंडला, श्योपुर-डिंडौरी में बाढ़ जैसा नजारा है। नर्मदा समेत कई नदियों में पानी तेजी से बढ रहा है। नर्मदा के निचले इलाकों में खतरा ज्यादा है इसलिए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी गई है। शहडोल के सरकारी अस्पताल के वार्डों में आज पानी भर गया। यहां 4 इंच बारिश हुई। आधी रात में 3 हजार से ज्यादा घरों में पानी भर गया। इससे काफी नुकसान हुआ है। उमरिया में सड़कें पानी-पानी हैं। जबलपुर के बरगी डैम के 9 गेट भी कल खोलने पड़े। आज सिवनी-

बालाघाट में खतरा ज्यादा है। यहां अति भारी बारिश का दौर है, 8 इंच से ज्यादा पानी गिर सकता है। डिंडौरी में स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया है। उधर जबलपुर, डिंडौरी, मंडला, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, बैतूल में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। मुरैना, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सीहोर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, कटनी, उमरिया, शहडोल और अनूपपुर में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।

## पहाड़ों पर हालात बेहद खराब

हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बादल फटने की 19 घटना से 23 बार बाढ़ और 19 बार लैंडस्लाइड हुई। इससे भारी तबाही है। इन घटना व इससे जुडे सड़क हादसों में अब तक 82 लोगों की जान जा चुकी है। हिमाचल में 269 सड़कें बंद हैं। उत्तराखंड के श्रीनगर में भी तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई है। इसके चलते बद्रीनाथ हाईवे बंद हो गया है। मलबा हटाने का काम चल रहा है। उधर अयोध्या में सरयू नदी उफान पर है। जलस्तर खतरे के निशान से 20 सेमी नीचे है। छत्तीसगढ़ में सरगुजा संभाग बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

### सुप्रीम कोर्ट बिहार मतदाता सूची मामला

# दायर याचिकाओं पर 10 जुलाई को होगी सुनवाई

**नयी दिल्ली, एजेंसी**

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को विचार करेगा।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस मामले में शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध स्वीकार करते हुए कहा कि अदालत गुरुवार इस मामले में विचार करेगी।

बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उससे पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण करने के चुनाव आयोग के

इस फैसले पर सवाल उठाये जा रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के अलावा स्वयंसेवी संस्थाएं पुनरीक्षण के लिए निर्धारित समय समेत अन्य व्यावहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए खुलकर विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि इससे बड़ी सं या में मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

## जौनपुर में हाई टेंशन लाइन के संपर्क में आया ताजिया, 2 मौत

**जौनपुर।** उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के खुटहन क्षेत्र में ताजिया दफन कर वापस लौटते समय उसका अवशेष ढांचा 11 हजार वोल्ट के लटके मेन लाइन तार को छू गया। जिसकी चपेट में आकर दो ताजियादारों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य मामूली रूप से झुलस गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार जिले में सधनपुर गांव में पूर्व की भांति इस वर्ष भी दोपहर में ताजिया का धूम धाम से जुलूस निकाल कर, उसे पटैला गांव स्थित कर्बला में ले जाकर दफन कर दिया गया था। वहां से सभी ताजिया दार वापस गांव लौट रहे थे। बस्ती के लगभग दो सौ मीटर पास पानी की टंकी के पास रास्ते के ऊपर से गये मेन लाइन के एक फेस के लटके तार में ताजिया का अवशेष ढांचा छू गया।

## पहले कारोबारी दिन सेंसक्स लुढ़का

**मुंबई।** आज हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को सेंसेक्स करीब 100 अंक नीचे 83,350 के स्तर पर है। निफ्टी में भी करीब 30

अंक की गिरावट है, ये 25,450 के स्तर पर है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट है। निफ्टी के 50 शेयरों में से 30 नीचे हैं। शेयर बाजार में आज निवेशक बाजार की इस सप्ताह की चाल का अनुमान लगाने में जुटे हैं। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार (4 जुलाई) को सेंसेक्स 193 अंक चढ़कर 83,433 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में करीब 56 अंक की तेजी रही, 25,461 पर बंद हुआ

## अमेरिका में बाढ़ से अब तक 80 लोगों की मौतें, कई लापता

**टेक्सास।** अमेरिका के टेक्सास राज्य में ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ से 3 दिन में 80 लोगों की मौत हो गई, जबकि 41 लापता हैं। नदी के पास लड़कियों का एक समर कैंप था, जो बाढ़ की चपेट में आ गया। हालांकि कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचा लिया गया। टेक्सास के कई इलाकों में अभी भी हालात सामान्य नहीं हुए हैं। मौसम विभाग ने बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए ग्वाडालूप नदी के किनारे रहने वाले लोगों से ऊंची जगह जाने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को टेक्सास के सैन एंटोनियो से लगभग 15 इंच (38 सेमी) तक बारिश हुई। महज 45 मिनट में नदी का लेवल 26 फीट (8 मीटर) बढ़ गया, जिससे घर और गाड़ियां बह गईं।

### मेट्रो एंकर

### राजा रघुवंशी हत्याकांड में पुलिस के अलावा मृतक का परिवार भी कर रहा 'जांच'

# पेनड्राइव से क्लू की तलाश, नार्को से सच की आस

**इंदौर एजेंसी**

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में उनके परिवार ने आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर कमर कस ली है। इसके लिये अब शिलॉन्ग हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। इसके लिए राजा के परिवार ने 3 वकील हायर कर लिए हैं। यदि हाईकोर्ट में अपील खारिज होती है तो परिजन सुप्रीम कोर्ट भी जाने की तैयारी में हैं। दरअसल, इस वक्त पुलिस ही नहीं राजा का परिवार भी उसकी हत्या की वजह तलाश रहा है। परिजन का मानना है कि नार्को टेस्ट के जरिए ही आरोपी बताएंगे कि आखिर ऐसी क्या वजह रही, जो हत्या का कारण बनी।

राजा के भाई विपिन रघुवंशी का कहना है कि वे आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर इसी हफ्ते शिलॉन्ग जा रहे हैं। विपिन ने कहा- मेरे भाई राजा की हत्या सोनम और राज ने क्यों की, ये अभी तक सामने नहीं आया है। मुझे शक है कि इसमें बड़ा नेटवर्क शामिल है। नार्को टेस्ट से इस नेटवर्क का खुलासा होगा और वजह भी सामने आएगी। उनका कहना है कि उन्होंने राजा को मारने के लिए वकील या पुलिस की सलाह ली होगी या तांत्रिक क्रिया की होगी। इनका नेटवर्क बड़ा है, जो बाहर नहीं आ रहा है। विपिन कल दिल्ली और फिर वहां से शिलॉन्ग पहुंच रहे हैं।

मृतक राजा के भाई विपिन रघुवंशी यह भी कह रहे हैं कि मेघालय पुलिस नार्को टेस्ट नहीं कराना चाहती है, हालांकि हमें उसमें कोई परेशानी नहीं है। पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच की है। आठ आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। हमें उनकी कार्रवाई पर कोई संदेह नहीं है लेकिन मैं भाई होने का पूरा फर्ज निभाऊंगा।

## सोनम के भाई से मांगी शादी की फोटो

बताया जाता है कि रघुवंशी परिवार अब सोनम के भाई से वह पेनड्राइव मांग रहा है जिसमें सोनम व राजा की फोटो हैं। दरअसल, हत्याकांड के बाद जेल में बाद सोनम के भाई गोविंद ने कहा था कि मैं रघुवंशी परिवार के साथ हूं। उसने राजा को न्याय दिलाने की बात कही थी। अब विपिन का कहना है कि यदि गोविंद अपनी बात पर टिका रहता है तो हमें कोई तकलीफ नहीं होगी। अगर वे लोग बदलेंगे तो वैसा ही हो जाएगा, जैसा सोनम ने हमें धोखा दिया है। कुछ दिन पहले हुई बातचीत में विपिन ने राजा और सोनम की शादी की फोटो वाली वह पेनड्राइव मांगी है। परिवार को उम्मीद है कि उन फोटोज में कुछ नया क्लू मिल जाए।

**प्रोत्साहन पैकेज में भोपाल समेत 13 एयरपोर्ट शामिल**

# राजधानी से इंटरनेशनल फ्लाइट सर्दियों में शुरू होने के आसार

भोपाल दोपहर मेट्रो

इस बार विंटर सीजन में राजा भोज एयरपोर्ट से कम से कम किराए के साथ एक या दो इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू होने के आसार बन रहे हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पार्किंग, यूजर्स और लैंडिंग चार्ज में एयरलाइंस कंपनियों को रियायत देने का निर्णय लिया है। इस प्रोत्साहन योजना को आने वाले 3 साल के लिए भोपाल सहित 13 एयरपोर्ट पर लागू किया जा रहा है।

माना जा रहा है कि मोटे तौर पर इस योजना के तहत एयरलाइन कंपनी को 18 से 20 लाख रुपए महीने का सीधे तौर पर फायदा होगा। प्रोत्साहन योजना के तहत 25 अक्टूबर से शुरू हो रहे विंटर सीजन में भोपाल से दुबई या यूएई के साथ सिंगापुर के लिए फ्लाइट शुरू करवाने की तैयारी है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने भोपाल को इस योजना में शामिल करने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यात्रियों को मुंबई, दिल्ली आदि शहरों से होकर इंटरनेशनल फ्लाइट पकड़नी पड़ती है। यह योजना भोपाल सहित ऐसे एयरपोर्ट पर लागू हो रही है, जहां से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू की जा सकती हैं। यदि एयरलाइंस कंपनी की कोई फ्लाइट 30 दिन तक संचालित होती है तो उसे 18 से 20 लाख की बचत हर महीने हो सकेगी।

बताया जाता है कि योजना से प्रोत्साहित होकर इंडिगो, एअर इंडिया या एयर इंडिया एक्सप्रेस जो भी इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करेंगे, उसका किराया अन्य एयरपोर्ट के मुकाबले भोपाल से कम रहेगा। जिन 13 एयरपोर्ट्स का चयन किया गया है, उनमें तीन बड़े एयरपोर्ट पटना, श्रीनगर और अयोध्या भी शामिल हैं। इसके अलावा एयरपोर्ट्स को तीन क्लस्टरों में विभाजित किया गया है। क्लस्टर 1 में अगरतला, इंफाल, वडोदरा और भोपाल शामिल हैं। क्लस्टर 2 में राजकोट, गया, औरंगाबाद और तिरुपति हैं। क्लस्टर 3 में कुशीनगर और पोर्ट ब्लेयर शामिल हैं।

## एम्स को मिला हेल्थ क्यूब, अस्पताल पहुंचेगा मरीज के पास

# 20 मिनट में अस्पताल, 12 मिनट में तैयार होगा ऑपरेशन थियेटर

भोपाल दोपहर मेट्रो

अब किसी भी आपातकालीन स्थिति में अस्पताल खुद चलकर मरीजों के पास पहुंचेगा। इस दिशा में एम्स भोपाल को हाईटेक पोर्टेबल ट्रॉमा सेंटर आरोग्य मैत्री हेल्थ क्यूब मिल गया है। यह 20 मिनट में पूरी तरह दो सौ बेड का फंक्शनल अस्पताल बन जाता है तथा 12 मिनट में ऑपरेशन थिएटर तैयार हो जाता है। बताया जाता है कि यह तकनीक रक्षा मंत्रालय के प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री के तहत तैयार की गई है। आरोग्य मैत्री को पहली बार जनवरी में अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के दौरान प्रदर्शित किया गया था। अब इसका एक यूनिट एम्स भोपाल को सौंपा गया है। यहां एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और मॉनिटरिंग डिवाइस जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

बताया जाता है कि आरोग्य मैत्री बिजली, पानी, जीवनरक्षक दवाओं, जांच उपकरण और टेलीमेडिसिन जैसी सुविधाओं से लैस है। यह पहाड़ी, ग्रामीण और सीमावर्ती इलाकों में तुरंत तैनात किया जा सकता है। एम्स भोपाल में 4 जुलाई को इसका लाइव डेमो भी हो चुका है। डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा, यह ट्रॉमा केयर की क्रांति है। आपदा के समय मरीज की जान बचाने के लिए यह सबसे असरदार समाधान है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान यूक्रेन को भी यह पोर्टेबल अस्पताल गिफ्ट किया था। अब यह तकनीक आम जनता की जान बचाने के लिए भारत में इस्तेमाल होगी।

### एयर ड्राप हो सकती है यूनिट

आरोग्य मैत्री 72 घंटे तक 200 मरीजों का इलाज कर सकता है। इसमें एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, मॉनिटरिंग डिवाइस जैसी सुविधाएं हैं। पूरी यूनिट को पैराशूट से एयर ड्रॉप किया जा सकता है। इसका सफल परीक्षण हो चुका है। बीते दिनों लाइव डेमो कार्यक्रम में डॉ. भूपेश्वरी पटेल ने कोड इमरजेंसी नाम का मोबाइल एप भी लॉन्च किया। यह एप बिना इंटरनेट के सीपीआर देना सिखाता है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। इसमें ऑडियो-विजुअल गाइड भी हैं।

**रेल्वे काउंटरों के टिकट की नयी व्यवस्था**

## वेंटिंग टिकट वालों को अब आरएसी का भी मैसेज मिलेगा

भोपाल दोपहर मेट्रो

रेल के टिकटों को लेकर नई व्यवस्थाएं तय की जा रही हैं ताकि यात्रियों को सफर शुरू करने से पहले सारी जानकारी भलीभांति हो। लिहाजा रेलवे काउंटरों से बनाए जाने वाले वेटिंग टिकट पर जरूरी काम से यात्रा करने वाले यात्रियों को आरएसी सीट मिलते ही मैसेज मिल जाएगा। उन्हें अपना टिकट वेटिंग से आरएसी और उसके बाद कंफर्म सीट मिलने की जानकारी लेने बार-बार टीटीई से संपर्क नहीं करना पड़ेगा। अभी तक आमतौर पर ऐसे यात्रियों को परेशान होना पड़ता है और काफी दूरी तक की यात्रा करने पर भी अपने टिकट के बारे में जानकारी नहीं मिल पाती। बताया जाता है कि भोपाल और आरकेएमपी से 5 से 6 हजार तक यात्रियों के रिजर्व टिकट बनवाए जाते हैं। इनमें से करीब 10 से 25 फीसदी तक वेटिंग में रह जाते हैं। इस सुविधा के लिए रेलवे अपने टीटीई स्टाफ को दिए गए हैंड हेल्ड टर्मिनल (टैब) को अपग्रेड कर रहा है। इससे आरएसी टिकट के कंफर्म होने पर यात्रियों के मोबाइल पर मैसेज आएगा। उन्हें बताया जाएगा कि किस कोच में उनकी कौन सी सीट कंफर्म हुई है।

**कुछ और अनियमितता पर निगाहें**

## अवैध कॉलोनियों पर चला बुल्डोजर करोड़ों की जमीन मुक्त

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी के खेजड़ा बरामद में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई से हडकंप है। गोविंदपुरा एसडीएम रवीशकुमार श्रीवास्तव की मौजूदगी में अमले ने पक्की सड़क और बाउंड्रीवॉल तोड़ दी। जमीन की सरकारी कीमत 12 करोड़ रुपए से ज्यादा है। वहीं, 2 करोड़ रुपए कीमत की सरकारी जमीन से भी अवैध कब्जा हटाया गया।

इस कार्रवाई पर एसडीएम श्रीवास्तव ने बताया, ग्राम खेजड़ा बरामद में 3.46 शासकीय भूमि में से 0.40 एकड़ भूमि पर पक्का रोड व बाउंड्रीवॉल बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। यहां कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जा हटाया गया। जमीन की कीमत 2 करोड़ रुपए है।

इस शासकीय भूमि से लगी 2.81 एकड़ निजी भूमि पर बिना सक्षम अनुमति के राहुल पाल एवं रोहित मीणा अवैध तरीके से कॉलोनी विकसित कर रहे थे। छोटे-छोटे प्लॉट काटकर वे श्री श्याम सिटी नाम से अवैध कॉलोनी विकसित कर रहे थे। यहां कार्रवाई करते हुए पक्की सड़क और बाउंड्रीवॉल को तोड़ दिया गया। इस जमीन की कीमत 10.50 करोड़ रुपए है।

## कन्हैया इसरानी बने मलेशिया-सिंगापुर टूर के संयोजक

**हिरदाराम नगर।** सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के सिंगापुर में होने वाले पहले सम्मेलन को लेकर बनाए गए मलेशिया-सिंगापुर टूर का संयोजक कपड़ा व्यापारियों की प्रमुख संस्था थोक वस्त्र व्यवसाय संघ के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी को संयोजक बनाया गया है। तैयारियों को लेकर बैठक हुई, जिसमें महासचिव सुरेश जसवानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी, वरिश्ठ उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, दिनेश वाधवानी के अलावा राहुल मिश्रा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

## सेवासदन को ईश्वरदास राजानी के नेत्रों का दान

**हिरदाराम नगर।** भोपाल निवासी ईश्वरदास राजानी का देहावसान 04 जुलाई 2025 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र कुशल राजानी ने अपने पिता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे।

सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,240 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

**सेवासदन और मेला समिति ने लगाया शिविर**

## नेत्र शिविर: 234 मरीजों की जांच 38 के मोतियाबिंद ऑपरेशन

हिरदाराम नगर दोपहर मेट्रो

सेवासदन नेत्र चिकित्सालय और भोपाल उत्सव मेला समिति ने मिलकर एक मुफ्त नेत्र जांच और मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया। यह शिविर पंजाबी बाग गुरुद्वारे में लगाया गया, जिसका उद्घाटन खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया।

शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय और भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारियों के साथ-साथ सेवासदन के ट्रस्टी भी शामिल थे। मंत्री सारंग ने शिविर में आए मरीजों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। इस शिविर में कुल 234 मरीजों की आँखों की जांच की गई, जिनमें 116 पुरुष और 118 महिलाएं थीं। जांच के बाद, 38 मरीजों में मोतियाबिंद पाया गया। इन सभी मरीजों को एंबुलेंस से सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ले जाकर भर्ती कराया गया है और उनके मोतियाबिंद के ऑपरेशन सोमवार को किए जाएंगे। जिन मरीजों को मोतियाबिंद नहीं था, उन्हें मुफ्त दवाएं दी गईं और उनके रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) व मधुमेह (शुगर) की भी जांच की गई। यह इस श्रृंखला का दूसरा मुफ्त नेत्र शिविर था। अगला शिविर 13 जुलाई, रविवार को मानस भवन, पॉलिटेक्निक चौराहे पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर चंद्रशेखर सोनी, सुनील जैनाविन, नारायण सिंह कुशवाह, अशोक वाणी, सूर्यकांत गुप्ता, पंजाबी बाग गुरुद्वारे से बंटी नारंग, परविंदर सिंह और सेवासदन के अन्य कर्मचारियों ने अपनी सेवाएं दीं।

**भोपाल।** राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज अहीर से, ऑल इंडिया ओबीसी रेलवे एम्पलाई फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत सूर्यवंशी ने मुलाकात की तथा उन्हें रेलवे ओबीसी कर्मचारियों संबंधी समस्याओं का ज्ञापन दिया ।

**मैट्रो एंकर** पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि और उनके विकास कार्यों का स्मरण

# संतनगर ने किया थद्धाराम ज्ञानचंदानी को याद

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

पूज्य सिंधी पंचायत ने पूर्व उपमहापौर थद्धाराम ज्ञानचंदानी की 38वीं पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर समाजसेवियों और विशिष्टजनों ने श्रद्धारामजी के व्यक्तित्व और संतनगर के विकास में उनके अविस्मरणीय योगदान को याद किया।

पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी और शिक्षाविद विष्णु गेहाणी ने थद्धारामजी को एक महान शख्सियत और संत हिरदाराम साहिब जी का परम शिष्य बताया। उन्होंने उन्हें एक गुणवान, संस्कारवान, दयावान, निष्ठावान और नेक इंसान के रूप में याद किया। थद्धाराम ज्ञानचंदानी के पुत्र हीरो ज्ञानचंदानी ने अपने पिता के सेवा मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। पार्षद अशोक मारण, समाजसेवी राज मनवानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, समाजसेवी जयकिशन लालचंदानी और हीरो हिन्दू ने भी उनके कार्यों को याद किया। भाजपा नेता चंदू ईसरानी ने छात्र राजनीति के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे थद्धारामजी हमेशा समस्याओं का समाधान करते थे।

पुण्यतिथि के इस अवसर पर, डॉ. टी.के. ज्ञानचंदानी, नरेश ज्ञानचंदानी, बसंत चेलानी सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन दो मिनट के मौन और स्व. थद्धाराम ज्ञानचंदानी को पुष्पांजलि के साथ हुआ। उनकी स्मृति में कुष्ठरोग आश्रम गांधीनगर और एम्स अस्पताल भोपाल में भोजन वितरण किया गया, साथ ही झूलेलाल विसर्जन घाट पर वृक्षारोपण भी किया गया। बजरंग सेना समिति ने भी झूलेलाल विसर्जन घाट पर पौधारोपण कर थद्धाराम ज्ञानचंदानी के कार्यों को याद किया। बजरंग सेना समिति ने झूलेलाल विसर्जन घाट पर पौधारोपण किया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी, पार्षद अशोक मारण, भाजपा नेता महेश खटवानी, बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, उपाध्यक्ष राज बिजोरिया, जीतू शिवनानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक और जीवन मालवीय, खेमचंद निहचलानी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती पर रवींद्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में एक देश एक विधान कार्यक्रम को संबोधित किया

### एक देश एक विधान कार्यक्रम में मुख्यमंत्री

# डॉ. मुखर्जी ने उन व्यवस्थाओं का विरोध किया जो राष्ट्रहित में नहीं

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर रवींद्र भवन में ÷एक देश, एक विधान÷ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री. मोहन यादव ने कहा कि मुखर्जी ने कश्मीर से धारा 370 हटाने की मांग उठाई थी। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में सच्चे नेता थे। उन्होंने राष्ट्रवादी दल के रूप में जनसंघ की स्थापना की। मौजूदा दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके विचारों और सपनों को धरातल पर उतारने का काम कर रहे हैं। आजादी के बाद डॉ. मुखर्जी ने सबसे पहले उन व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं। यादव ने कहा कि मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

### मुखर्जी का एक योगदान बहुत बड़ा

मुख्य वक्ता राजीव कुमार पांडे ने कहा कि मुखर्जी का कश्मीर के मुद्दे पर जो योगदान है उसके बारे में अक्सर चर्चा होती है मुखर्जी का एक दूसरा योगदान भी इतना ही बड़ा है जिस पर कम चर्चा होती है, वह है कोलकाता और पश्चिम बंगाल के संबंध में। कोलकाता भारत का अभिन्न हिस्सा है। पूर्वोत्तर के गलियारे से क्षेत्र के सभी राज्य परस्पर जुड़े हैं। इस इलाके के अस्तित्व को बनाए रखने से पाकिस्तान का भूमि संपर्क नहीं हो सका। आज पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है। संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि पंडित नेहरू से मतभेदों के चलते मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। डॉ. मुखर्जी प्रखर देशभक्त थे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी उपस्थित थे।

### घोटाला सामने आने के बाद, मंत्री बोले: दोषियों के खिलाफ होगी कठोर कार्रवाई, दिए जांच निर्देश

# शहडोल के दो स्कूलों में 24 लीटर पेंट पोतने में लगाए गए 443 लेबर और 215 मिस्त्री!

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मप्र के शहडोल जिले में यहां दो स्कूलों में पुताई को लेकर घोटाला उजागर हुआ है। मामला सामने आने के बाद स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने शहडोल जिले के ब्यौहारी के सकंदी सरकारी हाई स्कूल में शाला की मरम्मत के मामले में अनियमितता का प्रकरण सामने आने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सुशासन वाली सरकार में किसी भी तरह की अनियमितता या गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि उनके संज्ञान में शहडोल जिले के एक सरकारी हाई स्कूल में मरम्मत के दौरान अनियमितता का मामला उनके संज्ञान में आया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और आयुक्त लोक शिक्षण को प्रकरण की तत्काल जाँच करने के निर्देश दिये हैं। जाँच के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी।

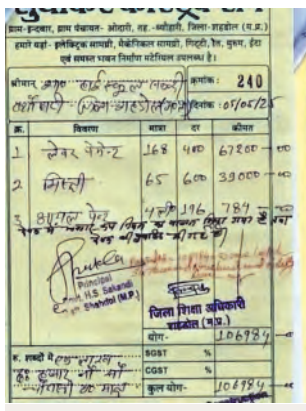

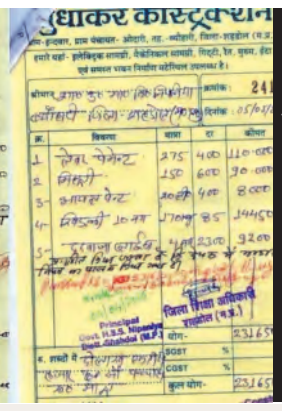




### मई की 5 तारीख में तैयार हुए बिल

इन दोनों मामलों में एक ही ठेकेदार सुधाकर कंस्ट्रक्शन का नाम सामने आया है, और खास बात तो यह है कि दोनों बिल मई की 5 तारीख में बने हैं। इधर मामले में डीईओ स्तर पर भी जांच शुरू हो गई है।?

**यह है पूरा मामला** | जानकारी के अनुसार, हाई स्कूल सकन्दी में सिर्फ 4 लीटर ऑयल पेंट की खरीद की गई थी, जिसकी कीमत 784 रुपए बताई गई है यानी 196 रुपए प्रति लीटर। लेकिन इस पेंट को दीवार में लगाने के लिए 168 मजदूरों और 65 मिस्त्रियों को काम पर लगाया गया। इनको 1,06,984 रुपए का भुगतान किया गया। वहीं दूसरा मामले में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निपानिया में 20 लीटर पेंट खरीदा गया। इस पेंट को पोतने के लिए 275 मजदूरों और 150 मिस्त्रियों को काम पर लगाया गया। सभी को 2,31,650 रुपए का भुगतान भी किया गया। इस खर्च में खिड़कियों और दरवाजों की रंगाई का भी खर्च शामिल है, जो 20 लीटर पेंट के मुकाबले कहीं ज्यादा हैं।

### डीईओ बोले- दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची ने इस मामले में जांच की बात कही है। उन्होंने ने कहा कि सामने आए भुगतान बिल मामले में हमने जांच शुरू करवा दी है। जांच में दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। जब उनसे पूछा गया कि जिन बिलों का भुगतान किया गया है, उनपर आपके हस्ताक्षर भी हैं, तो कहा- जो बिल सामने आए हैं, वह पूरे नहीं अधूरे हैं। इसका एक ही हिस्सा आपके सामने आया है, दूसरा नहीं। इसके एक हिस्से में लोहा, रेत, सीमेंट गिट्टी भी है, जिसमें टैक्स लगता है। जो बिल सामने आया है। वह बिना जीएसटी वाला है, जिसमें टैक्स नहीं लगता। यह करीब तीन लाख रुपए के बिल जनसंरक्षण भत्ता मरम्मत कार्य के हैं। अगर बिल की कॉपी वायरल करना थी तो दोनों ही हिस्से करना थे। मेरे पास बिलों के दूसरे हिस्से हैं, लेकिन जांच के चलते आपको दिखा नहीं सकता।

### एनआईटीटीटीआर में विशेष ट्रेनिंग

# शिक्षक एक नवाचारकर्ता, और परिवर्तन का वाहक

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) में उत्तर प्रदेश के तकनीकी शिक्षण संस्थानों के टीचर्स के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी क्षेत्र में विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये जा रहे हैं। यह सभी प्रोग्राम निटर के सेंटर ऑफ़ एक्सेलन्स में आईओटी, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन, प्रोडक्ट डिज़ाइन एंड वेलिडेशन, मेकाट्रोनिक्स, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग ,सीएनसी कंट्रोलर लैब, रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में आयोजित किये जा रहे हैं। एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इन टीचर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि आर्थिक वैश्वीकरण, उद्योग 4.0 और डिजिटल युग में तकनीकी शिक्षा प्रणाली को निरंतर बदलती चुनौतियों और प्रतिस्पर्धाओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रो पी के पुरोहित ने बताया की इस वर्ष संस्थान यूपी के टेक्निकल टीचर्स के साथ साथ वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रिंसिपल्स के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी एवं अन्य क्षेत्रों में लगभग 40 प्रोग्राम आयोजित कर रहा हे। संस्थान ने इस वर्ष मप्र के उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रिंसिपल्स, प्रोफेसर्स,लाइब्रेरी एवं टेक्निकल स्टाफ के लिए भी बड़ी संख्या में ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किये हैं जिन्हें अत्यधिक सराहना मिली हे। इस अवसर पर प्रो मनीष भार्गव एवं डॉ रवि गुप्ता भी उपस्थित थे।

### मांडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही पर संस्था प्रभारी चिकित्सक निलंबित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को रेबीज सहित अन्य आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि धार जिले के मांडू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में रेबीज वैक्सीन नहीं मिलने की घटना पर संज्ञान लिया गया। प्रकरण की जांच कराई गई, जिसमें यह स्पष्ट हुआ कि डॉ. सुब्रत दास की धर्मपत्नी को रेबीज वैक्सीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही उपलब्ध कराई गई थी। तथ्यों के बावजूद संस्था प्रभारी डॉ. चाँदनी डाबरोलिया द्वारा अनावश्यक देरी एवं लापरवाही बरती गई, जिसके कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। इस संबंध में समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने जिलों में रेबीज वैक्सीन सहित सभी आवश्यक दवाओं की नियमित समीक्षा करें।

### एमसीयू में सोशल मीडिया दक्षता एवं प्रबन्धन कौशल विकास विषय पर कार्यशाला

# सफल क्रिएटर बनने के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण आवश्यक

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल और पब्लिक मीडिया टेक फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।सोशल मीडिया के उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वविद्यालय परिसर में सोशल मीडिया में दक्षता एवं प्रबंधन कौशल विकास विषय पर आयोजित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों के लिए अनेक विषयों पर महत्वपूर्ण सत्रों का संचालन हुआ। इस अवसर पर पहले सत्र में सोशल मीडिया और मार्केटिंग की विशेषज्ञ मनोज्ञा तिवारी ने क्रिएटिव कंटेंट कैसे तैयार करें और कैसे उसे सोशल मीडिया पर सफल बनाएं, इन विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि दरअसल सोशल मीडिया पर कंटेंट क्रिएशन केवल इन्फ्लुएंस करना ही नहीं है। एक सफल क्रएटर बनने के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण होना आवश्यक है।

अच्छी स्क्रिप्ट लिखने जैसे बिंदुओं पर भी उन्होंने चर्चा की। इसके बाद वरिष्ठ पत्रकार शुभी विश्वकर्मा ने ग्राउंड रिपोर्टिंग के लिए बुनियादी विषयों की जानकारी प्रतिभागियों को दीं। उन्होंने कहा कि फील्ड पर जाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और अपनी स्टोरी को तथ्यों के साथ कैसे और रोचक बनाया जा सकता है। एक सत्र में सोशल मीडिया विशेषज्ञ और कार्यशाला के विशिष्ट वक्ता बतौर शलभ उपाध्याय ने बताया कि सोशल मीडिया पर कंटेंट क्रएट कर किस तरह से कोई जीवन यापन कर सकता है। इसके बाद इलेक्ट्रानिक मीडिया विभाग की प्रमुख प्रोफेसर मोनिका वर्मा ने सोशल मीडिया कंटेंट एनालिसिस, मीट्रिक्स आदि विषयों पर उद्बोधन दिया। डॉ. वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की रीच, इंगेजमेंट रेट, डेटा एनालिसिस आदि तकनीकों पर प्रतिभागियों से विस्तार से चर्चा की।

भोपाल। प्रदेश में केन्द्र सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग मंत्रालय नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये आवेदन और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त जिला कलेक्टर्स एवं जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

**मेट्रो एंकर**

### दुग्ध उत्पादन बढ़ाने व किसानों को समृद्ध करने सरकार प्रतिबद्ध: मोहन यादव

# प्रदेश के 50 प्रतिशत ग्रामों को जोड़ेंगे दुग्ध नेटवर्क से

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर किसानों और पशुपालकों की आर्थिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के 50 प्रतिशत गांवों को दुग्ध नेटवर्क में लाने की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। नई 381 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन कर 9500 दुग्ध उत्पादकों को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास में पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश के लिए डेयरी विकास योजना को क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक संशोधन कर अधिक लाभकारी बनाने के निर्देश दिए थे। अब राज्य में दुग्ध उत्पादन की 72 प्रतिशत संभावित क्षमता को कवर करने और बाजार पहुंच को 15प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने दुग्ध संग्रहण



बढ़ाने, दुधारू पशुओं की नस्ल सुधार, राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के सहयोग से देशी नस्ल के पशुओं के लिए मॉडल फार्म विकसित करने, सांची ब्रांड की लोकप्रियता बढ़ाने, भोपाल दुग्ध संघ के अंतर्गत हीफर रियरिंग सेंटर की स्थापना, दुग्ध उत्पादक किसानों को खरीदे गए दूध की कीमत का समय पर भुगतान, डिजीटाइजेशन वर्क की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

### दुग्ध संघों ने बढ़ाई है ढाई से छह रुपए प्रति लीटर राशि

इस अवसर पर बताया गया कि प्रदेश के दुग्ध संघों में न सिर्फ दुग्ध संग्रहण बढ़ रहा है, बल्कि किसानों और दुग्ध उत्पादकों का हित भी सुनिश्चित हो रहा है। दुग्ध संघों में दुग्ध मूल्यों में ढाई रुपए से लेकर छह रुपए तक प्रति लीटर वृद्धि का कार्य किया है। प्रदेश में दो दुग्ध संघों जबलपुर और ग्वालियर में दुग्ध संग्रहण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जबलपुर और ग्वालियर दुग्ध संघ को दुग्ध उत्पादकों के लंबित भुगतान के लिए दो-दो करोड़ रुपए की कार्यशील पूंजी भी उपलब्ध करवाई गई है।

## संपादकीय

# आयोग की विश्वसनीयता व सवाल

चुनाव आयोग के एक फैसले ने फिर विवाद खड़ा कर दिया है। उसने बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानि विशेष गहन पुनर्निरीक्षण शुरू किया है जो 25 जुलाई तक चलेगा। ऐसा लगता है कि 25 दिनों में 'सब कुछ बदल डालूंगा' की तर्ज पर काम होगा। अस अप्रत्याशित सक्रियता से बिहार की विपक्षी पार्टियों और मतदाताओं के बीच खलबली मचना स्वाभाविक है। बीते फरवरी में ही मतदाता सूची संशोधित हुई है और चुनाव आयोग के कहे अनुसार राजनीतिक पार्टियों ने बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति भी कर दी है आयोग ने राजनीतिक पार्टियों से कहा था कि वे चाहें तो और एजेंटों की नियुक्ति भी कर लें। अब अचोनक गहन पुनर्निरीक्षण को इतने कम समय में करने का वादा किया गया है कि उससे आयोग के अपने तर्कों का भी खंडन होता है। अपनी क्षमता की दुहाई देकर वह एक या दो चरणों में होने वाले चुनाव कई चरणों में कराता है और अब बिहार की करीब सात करोड़ 89 लाख वोटरों की सूची को महज 25 दिनों में पूरी तरह बदलेगा। सभी मतदाताओं के फॉर्म और दस्तावेज उसके पास जमा हो जाएंगे और उनकी जांच भी कर ली जाएगी। यह सब करके वह एक सितंबर को नई संशोधित सूची जारी कर देगा ! दरअसल बिहार के करीब 3 करोड़ लोग देश के दूसरे हिस्सों में काम करते हैं। क्या फॉर्म के साथ जमा होने वाले दस्तावेज सबके पास हैं? आयोग ने आसानी से पहचान और आवास के सहज ही उपलब्ध सबूतों को स्वीकार करने से मना कर दिया है। आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड और पैन कार्ड भी पहचान और आवास के प्रमाण नहीं होंगे। आयोग ने मतदाताओं की पहचान और आवास के जो सबूत मांगे हैं उससे लोगों को मतदान का अधिकार मिलने के बजाय इसके छिन जाने का खतरा पैदा हो गया है। एक जुलाई 1987 के पहले जन्में मतदाताओं को यह प्रमाण देना पड़ेगा कि उनका जन्म किस तारीख को और कहां हुआ। माना जाता है कि उन दिनों बिहार के अधिकांश लोग घर में पैदा होते थे। 2018 के आंकड़े के अनुसार, बिहार में अभी भी 18 प्रतिशत लोगों का जन्म घर में ही होता है। स्कूली शिक्षा का प्रतिशत ऐसा है कि बिहार की जाति जनगणना के अनुसार अभी मैट्रिकुलेशन या दसवीं पार करने वालों का प्रतिशत 15 है तो उस समय तो और भी कम होगा। आयोग ने एक जुलाई 1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच पैदा होने वालों से जन्म की तिथि और स्थान के दस्तावेज के साथ माता-पिता में से किसी एक की जन्म की तिथि और स्थान के सबूत मांगे हैं। तीसरा समूह उन लोगों का है जो 2004 के बाद के हैं। आयोग ने जिन अन्य दस्तावेजों को मान्य किया है, उनमें सरकारी नौकरी, पासपोर्ट के अलावा बैंक, बीमा, पोस्ट ऑफिस, किसी सरकारी संस्थान या स्थानीय निकाय से जारी पहचानपत्र, जाति प्रमाणपत्र और मूल निवास का प्रमाणपत्र शामिल हैं। ये सारे पहचान और प्रमाण के पत्र बिहार के पढे-लिखे और संपन्न लोगों के पास ही आसानी से मिल सकते हैं। सरकारी नौकरी करने वाले सिर्फ डेढ़ प्रतिशत हैं। आयोग की यह कवायद असम में एनआरसी यानी नागरिकता कानून लागू करने की कवायद से अलग है? ऐसा लगता है कि आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों का अजेंडा बदल दिया है। यह अब नागरिकता के इर्दगिर्द रहेगा। महाराष्ट्र चुनावों में कथित धांधली के आरोपों की जांच के बदले आयोग ने एक नया विवाद पैदा कर लिया है।

**संकल्प और भावना जीवन तराजू के दो पलड़े हैं।**
**- वृन्दावन लाल**

## निशाना

### सेंकते हम रोटी !

-कृष्णेन्द्र राय

छोटी छोटी घटना पर ।
सेंकते हम रोटी ।।
करनी राजनीति है ।
बात नहीं ये छोटी ।।
कोशिश लगातार है ।
टूट न जाए क्रम ।।
रहना हमको ज़िंदा ।
ना इसमें हो भ्रम ।।
होंगे लाख जलील पर ।
ना लाना बदलाव ।।
जनता ने ठुकरा कर ।
दिया बराबर घाव ।।
मुद्दों की हम खोज में ।
है लाना हर हाल ।।
भले लाख हम पर ।
उठते हों सवाल ।।

# सत्ता की तलवार लटकी होने पर भी सीधे चुनौती और भूमिगत पत्रकारिता संभव

■ आलोक मेहता

आपात काल ( इमरजेंसी ) में बड़े पैमाने पर राजनीतिक अत्याचार , गिरफ्तारियों , सेंसरशिप की चर्चा 50 वर्षों के बाद फिर गर्म हुई । लेकिन इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि सत्ता की तलवार लटकी होने के बावजूद भारत के कई सम्पादकों पत्रकारों ने विरोध के साथ सरकार को न केवल चुनौती दी , वरन भूमिगत गतिविधियों के लिए सूचनाएं पहुँचाने , लिखित या छपी सामग्री प्रकाशित कर देश भर में बंटवाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । मैं 1971 से दिल्ली में न्यूज़ एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार में संवाददाता के रुप में कार्य कर रहा था । राजनीतिक और संसद की रिपोर्टिंग करता था । इसलिए गुजरात और बिहार के सरकार विरोधी आंदोलनों पर खबरों के साथ अख़बारों में लेख भी लिखता था । हिन्दुस्थान समाचार के प्रधान प्रबंध संपादक बालेश्वर अग्रवाल और ब्यूरो प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक रहे थे , लेकिन भारतीय भाषाओँ की प्रमुख न्यूज़ एजेंसी होने से कांग्रेस सरकार के कई मंत्रियों नेताओं से अच्छे संपर्क सम्बन्ध थे और मेरे जैसे युवा पत्रकार को उन्होंने ही इन नेताओं से मिलाया था । केंद्र और राज्यों की सरकारें एजेंसी की ख़बरों के टेलीप्रिंटर अपने दफ्तरों में लगाने के लिए हर महीने जो पैसा देती थी , वह आमदनी का प्रमुख स्रोत होता था । इसलिए 1975 में इमरजेंसी लगने पर मेरे जैसे पत्रकारों के लिए बहुत बड़ा झटका था । संयोग से संपादक के आदेश से कुछ महीने मुझे गुजरात में भी काम करना पड़ा और दिल्ली आना जाना चलता रहा । सरकार द्वारा फ़रवरी 1976 में देश की दो अंग्रेजी और दो हिंदी की न्यूज़ एजेंसियों के विलय से पहले मुझे हिंदुस्तान टाइम्स की पत्रिका साप्ताहिक हिंदुस्तान में संवाददाता की नौकरी मिल गई । इसलिए मुझे सत्ता तथा विरोध की गतिविधियों की जानकारियां भी मिलती रही ।

26 जून, 1975 को राष्ट्रपति ने एक आदेश के जरिए आपातकाल की घोषणा के साथ कहा गया था कि देश में गंभीर संकट पैदा हो गया है। आंतरिक उपद्रवों के चलते देश की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। इमरजेंसी लगाने के साथ ही प्रेस पर भी हमला बोल दिया। इमरजेंसी की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन प्रेस सेंसरशिप का खाका तैयार नहीं था। सरकार की नजर में अखबारों को छपने से रोकना जरूरी था। अखबारों की बिजली 26 जून से लेकर 29 जून तक गुल रही। बाद में सरकार ने सेंसरशिप की रूपरेखा तैयार की और प्रमुख सूचना अधिकारी डॉ. बाजी को चीफ सेंसर नियुक्त कर दिया। वह तब तक चीफ सेंसर का काम देखते रहे जब तक कि इस पद पर एच.जे.डी. पेन्हा की स्थायी तौर पर नियुक्ति नहीं हुई। प्रधान मंत्री श्रीमती गांधी प्रेस से बहुत खफा थीं। 22 जुलाई, 1975 को उन्होंने राज्यसभा में दिए भाषण में कहा कि ''पहले जब अखबार नहीं थे तो आंदोलन भी नहीं थे। दरअसल, आंदोलन अखबार के पन्नों पर ही है। अगर आप जानना चाहते हैं, कि अखबारों पर सेंसर क्यों लगाया गया है तो उसका जवाब यही है। मुझे इस बात में थोड़ा भी संदेह नही है कि अखबार लोगों को भड़काते हैं , वे सांप्रदायिक उन्माद भी फैलाते रहे हैं।'' श्रीमती गांधी मानती थीं कि प्रेस उनकी सरकार के खिलाफ है। उन्होंने प्रेस पर झूठा, मनगढ़ंत बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने और देश की गरिमा गिराने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि अधिकारों पर जोर देने और जिम्मेदारियों को भूल जाने से भयावह स्थिति पैदा हो जाती है और कुछ अखबार यही कर रहे हैं। वे कहती थीं कि सकारात्मक खबरों के लिए अखबारों में जगह नहीं है, जबकि गपशप, झूठ और देश की गरिमा गिरानेवाली खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। इससे देश कमजोर होता है और लोगो का मनोबल गिरता है। उन्होंने प्रेस पर प्रधानमंत्री कार्यालय की गरिमा गिराने और विपक्ष को दिशा-निर्देश देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह कहकर इमरजेंसी को जायज ठहराने की कोशिश की कि इमरजेंसी जिम्मेदारियों और अधिकारों में संतुलन कायम करने के लिए लगाई गई है।

इन्हीं विचारों के अनुसार 27 जून, 1975 को प्रेस के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए। इसमें अखबरों से कहा गया कि वे ऐसी खबरों को छापने से बचें, जिससे प्रधानमंत्री कार्यालय की गरिमा गिरती हो। 5 अगस्त, 1975 को एक और दिशा-निर्देश जारी हुआ, जिसमें कहा गया कि ऐसी खबरों प्रकाशित की जाएं, जिससे कानून व्यवस्था को कोई खतरा न हो। देश के आर्थिक विकास से संबंधित खबरें ही प्रकाशित की जएं। सेंसर ऑफिस की ओर से एक और दिशा-निर्देश जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि सरकार विरोधी किसी भी खबर या आंदोलन के प्रकार्शन को इजाजत नही दी जाएगी। संपादकीय जगहो को खाली छोड़ने या कोटेशन लिखने की भी इजाजत नहीं दी जाएगी। इतना ही नहीं, चीफ सेंसर ने राज्यों के सेंसर प्रमुखों को टेलेक्स संदेश भेजा-'चूंकि सेंसरशिप के सारे निर्देश गोपनीय है और इनका मतलब सिर्फ पालन होने से है, इसलिए इ आपसे उम्मीद की जाती है कि आप सम्पादकों को इस बारे में मौखिक तौर पर बताएं।

इस तरह सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी कि उसके खिलाफ कुछ भी न छपा सके। जो छपेगा, सबकुछ उसके समर्थक में छपेगा। सेंसर के आदेशों का नतीजा यह निकला कि सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों की कार्यप्रणाली की आलोचना करनेवाला एमआरटीपी आयोग के चेयरमैन का बयान भी नहीं छपा। सेंसर ने अदालतों के आदेश छापने पर तो पांबदी लगा ही दी थी, जजों के तबादले की खबरें भी नहीं छप पा रही थीं। कुछ राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें थीं। उन्होंने कुछ संवैधानिक सुधारों का प्रस्ताव रखा, लेकिन वे खबरें भी छपने से रोक दी गई।

मुझे याद है सबसे पहले मदरलैंड अख़बार के संपादक के आर मलकानी की गिरफ्तारी हुई । यह अखबार संघ के प्रकाशन संस्थान का था । दुर्भाग्य की बात थी कि कुछ सम्पादक इमरजेंसी लगाने के लिए इन्दिरा गांधी को 'बधाई' देने तक पहुंचे थे । दूसरी तरफ कभी लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गाँधी के साथ काम कर चुके कुलदीप नैय्यर जैसे प्रतिष्ठित संपादक कुलदीप नय्यर ने कुछ अखबारों और न्यूज एजेंसियों का चक्कर लगाकर पत्रकारों को अगले दिन ( 28 जून, 1975 ) सुबह 10 बजे प्रेस क्लब में जमा होने के लिए कहा। अगली सुबह मैं वहां 103 पत्रकारों का जमघट देखकर हैरान रह गया, जिनमें कुछ सम्पादक भी शामिल थे। कुलदीपजी ने ही एक प्रस्ताव तैयार कर लिया था जिसे उन सबने पास कर दिया। इस प्रस्ताव में कहा गया था-'यहां एकत्रित हुए हम पत्रकार सेंसरशिप लागू किए जाने की भर्त्सना करते हैं और सरकार से इसे फौरन हटाने का आग्रह करते हैं। हम पहले से ही हिरासत में लिए जा चुके पत्रकारों की रिहाई की भी मांग करते हैं।' यह प्रस्ताव सबके हस्ताक्षरों के साथ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सूचना और प्रसारण मंत्री को भेज दिया गया ।

उन्ही दिनों 'इंडियन एक्सप्रेस में उनका साप्ताहिक कालम छपा था। इसका शीर्षक था-'नॉट इनफ मिस्टर भुट्टो।' यह जुल्फिकार अली भुट्टो और पाकिस्तान के बारे में था, जिसमें उनके और फील्ड मार्शल अयूब खान के कार्यकाल की तुलना की थी। उन्होंने लिखा था, 'सबसे बुरा कदम उन्होंने लोगों का मुंह बन्द करके उठाया है। प्रेस के मुंह पर ताला लगा है और विपक्ष के बयानों को सामने नहीं आने दिया जा रहा है। मामूली-सी आलोचना भी बर्दाश्त नहीं की जा रही है।' कोई भी समझ सकता था कि यह इन्दिरा गांधी और इमरजेंसी की तरफ इशारा था । यह सच भी था। सेंसर को चकमा देने का यह भी रास्ता था। इस तरह के दो और लेख उन्होंने लिखे । इसके बाद सेंसर अधिकारियों ने 'इंडियन एक्सप्रेस' को निर्देश दिया कि 'श्री कुलदीप नैयर द्वारा उनके अपने नाम से या किसी छद्म नाम से लिखा गया कोई भी लेख सेंसर को दिखाए बिना आपके अखबार में नहीं छपना चाहिए।' बाद में कुलदीप नैय्यर जैसे प्रतिष्ठित संपादक और देश के अन्य भागों में कई पत्रकारों की गिरफ्तारियां हुई । कुलदीपजी और कुछ नामी संपादक जेल से जल्दी छूट गए , लेकिन वे फिर भूमिगत पत्र प्रकाशनों में ही लिखते और चर्चाएं करते रहे ।

अंग्रेजी मासिक पत्रिक फ्रीडम फर्स्ट के संपादक और जाने-माने नेता मीनू मसानी ने प्रकाशनी पर बंदिश लगाने के सेंसर के रवैये को कोर्ट में चुनौती दी। मीनू मसानी ने सेसर की कारवाई को चुनौती देते हुए 17 जुलाई, 1975 को मुंबई हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। इनके 11 लेखों को सेंसर ने छापने से रोक दिया था। मीनू मसानी की याचिका पर जस्टिस आर.पी. भट्ट ने सुनवाई की। जस्टिस भट्ट ने 26 नवंबर, 1975 को दिए फैसले में कहा कि इन 11 लेखो में ऐसा कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है, जिसे छपने से रोका जाए। उन्होंने ऐसे लेखों और सरकार की सकारात्मक आलोचनाओं को भी छापने के आदेश दिए। सेंसर ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। लेकिन उसे वहां भी मुहंकी खानी पड़ी। अदालत ने इस मामले में 10 फरवरी, 1976 को फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि व्यक्ति को आपातकाल में भी नाराजगी जताने का अधिकार है। इस आधार पर लेख का प्रकाशन नहीं रोका जा सकता।

'इंडियन एक्सप्रेस' और 'स्टेट्समैन' ने सेंसर के खिलाफ जमकर संघर्ष किया। स्टेट्समैन के प्रमुख निदेशक सी.आर. ईरानी और एक्सप्रेस के चेयरमैन रामनाथ गोयनका तथा उनके संपादकों ने बड़ी हिम्मत दिखाई। इसका नतीजा भी इन्हें भुगतना पड़ा। इन्हें मिलनेवाले सरकारी विज्ञापन बंद कर दिए गए। इनके साथ ही कुछ और संपादकों ने भी सेंसर के सामने झुकने से मना कर दिया। ए.डी गोरवाला ने भी सेंसर के सामने झुकने से मना कर दिया। ये ' ओपिनियन' नाम से साप्ताहिक निकालते थे। पत्रिका ने एन.ए. पालखीवाला का एक लेख प्रकाशित किया। इस लेख को आपत्तिजनक माना गया। कहा गया कि इस लेख से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति कार्यालय की गरिमा पर आचं आती है। इस लेख में पालखीवाला ने सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाहियों को रखा था। पत्रिका के संपादक से लेख में उद्धृत कार्यवाहियों की प्रमाणित प्रतियां पेश करने को कहा गया। मुंबई के चीफ सेंसर ने निर्देश जारी किया कि ऐसा न करने पर प्रेस जब्त किया जा सकता है, लेकिन संपादक गोरेवाला ने सेंसर की चेतावनी की परवाह किए बिना 17 फरवरी, 1976 को पत्रिका का एक अंक निकाला, जिसमें प्रेस की सेंसरशिप को लेकर बंबई हाईकोर्ट का एक फैसला छापा गया था। इस पर चीफ सेंसर ने 'ओपिनियन' का प्रेस जब्त कर लेने का 3 मई, 1976 को आदेश जारी किया। आखिर में 2 जुलाई, 1976 को 'ओपिनियन' के प्रकाशन पर पाबंदी लगा दी गई। लेकिन गोरेवाला फिर भी नहीं माने। वे साइक्लोस्टाइल कराकर डाक से पत्रिका भेजने लगे। तब चीफ सेंसर ने डाक विभाग के पोस्ट मास्टर जनरल से अपील करके उसका भी प्रसार रुकवा दिया। महात्मा गांधी के पोते राजमोहन गांधी 'हिम्मत' निकालते थे। उन्होंने भी सेंसर की परवाह नही की और काफी हिम्मत दिखाई। अक्तूबर 1975 में 'हिम्मत' को प्री-सेंसरशिप के लिए कहां गया। यह आदेश इस पत्रिका में छपे एक लेख के आधार पर दिया गया। लेख को आपत्तिजनक माना गया था। इसके बावजूद 'हिम्मत' ने झुकना स्वीकार नही किया। वह चीजें छापता रहा, जो उसे सही लगती थीं। अगस्त 1976 में इस पत्रिका ने छापा कि श्रीमती गांधी ने कोलंबों में सेंसरशिप से संबंधित गलतबयानी की है। श्रीमती गांधी ने कहा था कि प्रेस को सेंसरशिप में छूट दे दी गई है। पत्रिका ने यह भी बताया कि किस तरह से प्रेस पर अभी भी शिकंजा कसा हुआ है। 'हिम्मत' जैसी ही हिम्मत 'सेमिनार' ने भी दिखाई। 'सेमिनार' की बहुत प्रतिष्ठा थी। उस दौरान 'सेमिनार' के जितने भी अंक निकले, सब में आपातकाल के औचित्य पर सवाल उठाया गया। दिसंबर 75 के अंक में इस पत्रिका ने पत्रकार कुलदीप नैयर के मामले को छापा। इस मामले में पत्रिका ने सुप्रीम कोर्ट में दी गई मशहूर वकील पालखीवाला की दलील भी छापी।

गुजरात की पत्रिका 'साधना' और 'जनता' ने भी सेंसर का मुंहतोड़ जवाब दिया। 'साधना' मराठी और गुजराती में निकलती थी, जबकि 'जनता' अंग्रेजी में। पत्रिका का रुख सरकार विरोधी था। वे अपने हर अंक में सरकार विरोधी लेख प्रकाशित कर रही थी। जून 1975 से अक्तूबर 1975 के बीच पत्रिका के 11 अंक जब्त किए गए। प्रकाशक से एक हजार रुपए की सिक्योरिटी मनी जमा कराई गई और उसे भी जब्त कर लिया गया। आखिर में महाराष्ट्र सरकार ने पत्रिका को बंद करने के आदेश दे दिए। साधना के सम्पादक विष्णु पंड्या से मुझे कई बार मिलने के अवसर मिले थे । वर्तमान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी उन दिनों भूमिगत रहकर सरकार विरोधी लोगों की सूचनाएं , कुछ अखबार पत्रिकाएं जेलों तक पहुँचाने का काम कर रहे थे ।गुजरात में 'भूमिपुत्र' नाम की पत्रिका निकलती थी। पत्रिका ने सरकारी सेंसर को मानने से इनकार कर दिया। 17 जुलाई, 1975 को सूचना प्रसारण मंत्री विद्याचरण शुक्ल ने इस पत्रिका के आपत्तिजनक अंकों को जब्त करने के आदेश दिए। इसके साथ ही प्रेस और सिक्योरिटी मनी भी जब्त कर ली गई। पत्रिका ने गुजरात हाईकोर्ट में सेंसर के खिलाफ अपील की। गुजरात हाईकोर्ट का फैसला हाईकोर्ट पत्रिका के पक्ष में गया। लेकिन उस अदालती फैसले को भी नहीं छापने दिया गया ।

**(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। )**

# बारिश का कहर: प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता?

■ ललित गर्ग

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन, बादल फटना, पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है, तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली, नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है।

2023-24 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए, सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए, हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स, सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं, इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव, पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं- अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , भारतीय मौसम विभाग और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी, निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए

कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है। निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों, सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं, आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण, मुआवज़े की घोषणाएं, और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है, पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं।

निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए, हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्स्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।

हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां, पहाड़ और घाटियां धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है, तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं, हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें, बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल, पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

**(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)**

# पौधरोपण एक पुण्य कार्य है , वृक्ष मनुष्य के मित्र हैं इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं: थाना प्रभारी

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

- अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने देहात थार्न में किया पौधरोपण
- थाना परिसर के बगीचे में लगाए विभिन्न प्रजाति के पौधे

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा रविवार को देहात थाने में एक पेड़ मां के नाम अभियान के चलते पौधरोपण कार्यक्रम किया गया । भारी बरसात की बीच यह पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया । थाना परिसर में आम, जामुन, अमरूद, नींबू सहित कई प्रजाति के पौधे रोपण किए गए । इस अवसर पर देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने कहा कि पेड़ प्रकृति का सबसे अनमोल देन है । वे न केवल धरती को हरा भरा और सुंदर बनाते हैं

बल्कि जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन भी प्रदान करते हैं। पेड़ों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती ।

पौधारोपण पर एक पुण्य कार्य है। पौधे मनुष्य, पशु पक्षी और पूरे पर्यावरण के लिए जरूरी है। श्री चौहान ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। पौधारोपण करने के प्रति लोगों को जागरूक होना चाहिए।

### यह एक पुनीत कार्य है, सभी इस अभियान में हिस्सा ले

श्री चौहान ने कहा कि अखिल भारतीय समाज मातृशक्ति द्वारा पौधारोपण अभियान के अंतर्गत देहात थाने परिसर में पौध रोपण किए हैं उसके लिए मैं सभी सामाजिक लोगों को बधाई देता हूं । वृक्षारोपण एक पुण्य कार्य है । इस पुनीत कार्य में सभी लोगों को ज्यादा से ज्यादा बढ़-चढ़कर आगे आना चाहिए और पौधा रोपण कार्यक्रम में शामिल होना चाहिए। इस अवसर पर प्रखर समाजसेवी सुमन वर्मा, प्रीती खरे , सीबी खरे, लालता प्रसाद, मंजू श्रीवास्तव ,जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा, नेहा थापक , दीपक थापक सहित अनेक लोग मौजूद रहे । वहीं थाना के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने भी पौधारोपण किया। देहात थाने के पुलिस कर्मी बगीचे की देखभाल में जुटे हुए हैं और लोगों से अपील कर रहे हैं कि वे भी इस अभियान में जुड़कर अपने आसपास के क्षेत्र में पेड़ लगाएं।

## स्कूल के नवनिर्वाचित छात्र नेताओं को दिलाई गई शपथ

# नेतृत्व एक जिम्मेदारी है जो अनुशासन सेवा और प्रेरणा से जुड़ी होती है: तोमर

### कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने दी मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

रसूलिया स्थित स्कूल में एक भव्य इन्वेस्टिचर सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमें नए छात्र नेताओं को उनके पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर विशेष रूप से प्रतिष्ठित अतिथि डॉक्टर मयंक तोमर उपस्थित रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को और भी विशेष बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि, सिस्टर प्राचार्या एवं अन्य सिस्टर्स की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ की गई। दीप प्रज्वलन के पश्चात छात्राओ ने मिलकर ईश्वर से

आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु प्रार्थना नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक भाव से सराबोर कर दिया। इसके बाद कार्यक्रम को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाया गया।

इसके पश्चात स्कूल के प्रधानाचार्य सिस्टर विनुथा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी।

फिर नव-निर्वाचित छात्र नेताओं को शपथ दिलाई गई और बैज पहनाकर औपचारिक रूप से उनको-उनके पदों पर नियुक्त किया गया। इस वर्ष हेड बॉय के रूप में ऋषि दूबे और हेड गर्ल के रूप में आशना दूबे का चयन किया गया, जिन्हें उनके अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सक्रिय भागीदारी के लिए सराहा गया।

अन्य पदों पर भी चयनित छात्रों को उनकी जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं, जिनमें हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन, सांस्कृतिक सचिव आदि प्रमुख थे।

इसके उपरांत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया और समारोह को मनोरंजक और भावनात्मक रूप से समृद्ध बना दिया।

डॉ. मयंक तोमर ने भी इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, नेतृत्व केवल एक पद नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है जो अनुशासन, सेवा और प्रेरणा से जुड़ी होती है।

समापन भाषण में प्रधानाचार्य ने कहा, सेंट चार्ल्स स्कूल का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे छात्र जिम्मेदार, संवेदनशील और सशक्त नेतृत्वकर्ता बनें – यही हमारा संकल्प है।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुआ

# राज्यमंत्री की मौजूदगी में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न कई विषयों पर हुई चर्चा

**तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

शनिवार को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा की गई। बैठक में तेंदूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व सीबीएमओ डॉ अशोक बरौनियां थे इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में फैली अवस्थाओं को लेकर राज्यमंत्री की मौजूदगी में 10 बिंदु पर चर्चा हुई जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत करने सीएचसी केम्पस की बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाने पर चर्चा पीएनसी वार्ड के जीना का मरम्मत एवं निर्माण कार्य वाटर कूलर एक्स-रे मशीन बार बार खराब होने पर डिजिटल सीएचसी में रिस्त पदों की जानकारी के संबंध में चर्चा जिला औषधि विक्रेता संघ द्वारा प्रदत्त5 मरीजों को पौष्टिक आहार किट वितरित की गई10 स्टील बैच मंगाने बाबत शव संधारण फिज की

### बैठक में 2024-25 के आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया

व्यवस्था बावत सीएचसी केम्पस के पीछे साइड मुरमीकरण हेतु चर्चा रोगी कल्याण में पहले से कार्य करने वाले का मनोदय बढ़ाने पर चर्चा सरिता अहिरवार की आउटसोर्स से नियुक्ति हेतु इन सभी विषयों पर राज्यमंत्री की मौजूदगी में चर्चा की गई।

इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन सांसद प्रतिनिधि मूरत सीग लोधी मंडल अध्यक्ष संत कुमार पाल पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव विधायक प्रतिनिधि आदित्यराज मोदी डॉ परम सिंह लोधी विवेक जैन मनीष मोदी युवा मोर्चा अध्यक्ष शुभम जैन पंडित नर्मदा प्रसाद दुबे सहित जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद थे

# हाईकोर्ट के आदेश अनुसार सभी सेवा निवृत कर्मचारियों का भुगतान किया जाए

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

मध्य प्रदेश वर्क्स ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन इंटक के कृपा शंकर वर्मा शंकर दयाल शर्मा प्रवेश मिश्रा अरुण दीक्षित ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम के सेवा निर्मित कर्मचारियों को सन 98 से शेष धनराशि 6 प्रतिशत का भुगतान शीघ्र किया जाए शंकर दयाल शर्मा द्वारा न्यायालय में विषय अंतर्गत एक याचिका भी दायर की है जिसमें कर्मचारियों के वैधानिक भुगतान जो काफी समय से लंबे थे उसके शीघ्र भुगतान की मांग की है प्रवेश मिश्रा एवं अरुण दीक्षित ने बताया कि परिवहन निगम के कई कर्मचारी स्वर्गवासी हो चुके हैं जिनकी विधवा एवं परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे है जिनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही होशंगाबाद में ही लगभग 23 कर्मचारी स्वर्गवासी हो चुके शासन एवं सरकार को चाहिए कि सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश जारी करें की ऐसे परिवार के

मुखिया का जिनका स्वर्गवास हो चुका है उनकालेखा-जोखा तैयार कर वैधानिक भुगतान की व्यवस्था करें माननीय मुख्यमंत्री द्वारा मध्य प्रदेश सड़क परिवहन संचालन करने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहां की निज संचालन की भागीदारी के साथ सड़क परिवहन निगम के उन कर्मचारियों की भीसहभागिता सुनिश्चित की जावे जिन्होंने ईमानदारी एवं कर्तव्य निष्ठा के तहत परिवहन निगम में अपना दायित्व निभाया.

## नदी जलस्त्रोतों में सेल्फी लेने व होने वाली दुर्घटनाओं से बचने युवाओं को कर रहे अवेयर

# खूबसूरती निहारें परन्तु जान की बाजी लगाकर कदापि नहीं

**तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

लगातार होने वाली बारिश से जलस्त्रोतों का अचानक लेवल बढना सामान्य प्रक्रिया है। ऐसे में इनके पास जाना हमेशा खतरों से भरा होता है। कई बार ऐसे जल स्त्रोतों के पास पिकनिक, सेल्फी के चक्कर में दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। यह कहना है नगर के युवाओं का वे बताते हैं कि ऐसे मौसम में इन स्थानों के पास जाने से सभी को परहेज करना चाहिए। खासकर पहाड़ों एवं चट्टानों से घिरे बरसाती वॉटर फॉल, नदी, नालों के किनारों से दूरी ही बनाकर रहना चाहिए

### सेल्फी या रील बन सकती है मुसीबत की डील

नगर के युवाओं का कहना है कि प्राकृतिक बनने वाले फॉल से रूबरू होना लोगों की पहली पसंद होती है। ऐसे में इनके पास जाकर रील बनाने, सेल्फी लेने और रोमांच की मंशा कभी भी मुसीबत की डील बन सकती है। क्योंकि बारिश में ऐसे स्थानों में फिसलन जैसी समस्या भी आम होती है। यंगस्टर्स के अनुसार वे खुद भी ऐसा करने से बच रहे हैं वहीं अपनी फैमिली एंड दोस्तों को भी अपेयर कर रहे हैं

### किसी भी रिस्क से दूर रहने लोगों को दे संदेश थाना प्रभारी

तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी नीतेश जैन ने लोगों को जागरुकता का संदेश देते हुए कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण मौसमी नदी, नालों के जलस्तर में वृद्धि होने पर उनसे दूरी रखें। किसी भी जलभराव स्थान से वाहन या पैदल निकलने का प्रयास खतरे में डालता है। इन सब बातों को देखते हुए वे किसी भी रिस्क से दूर रहने के संदेश अपने परिवार व दोस्तों सहित सभी को दे रहे हैं एवं जलभराव वाले क्षेत्र से दूर रहें

मनीष केवट कहते हैं कि बारिश का मौसम नेचर में खुशनुमा माहौल बनाने के साथ ऊंचे स्थानों से गिरते वॉटर फॉल व जलजमाव को भी आकार देते हैं। इनके आसपास के खतरों से दूरी बनाए रखे

**-मनीष केवट तेन्दूखेड़ा**

जगदीश सेन कहते हैं कि ऐसे स्थानों में सेल्फी या रील बनाने की मंशा कभी भी मुसीबत में डाल सकती है। इससे बचने के लिए फैमिली एंड दोस्तों को मैसेज भेजकर सबको अवेयर कर रहे हैं

**-जगदीश सेन तेन्दूखेड़ा**

कृतांजय सोनी कहते हैं कि छोटी सी असावधानी इन स्थलों में बड़ी परेशानी की वजह बन सकती हैं जलस्त्रोतों के पास सेल्फी लेने, वाटर फॉल जैसे स्पॉटों में केवल सैर करे सेल्फी का चक्कर मुश्किलों में डालता है

**-कृताजय सोनी तेन्दूखेड़ा**

भरत रजक कहते हैं कि कि पहाड़ों एवं चट्टानों से घिरे ऐसे वॉटर, फॉल, नदी तट कभी परेशानी का सबब बनते हैं। ऐसे बारिश के जलजमाव वाले स्थानों के पास जाने से सभी को परहेज करना चाहिए

**-भरत रजक तेन्दूखेड़ा**

राजा सेन कहते हैं कि बारिश में प्राकृतिक सौंदर्य वाले जलस्रोतों के आसपास सेल्फी लेने की आदत कभी भी समस्या में डाल सकती है सबको ध्यान रखना चाहिए और लोगों को भी अवेयर करना चाहिए

**-राजा सेन तेन्दूखेड़ा**

दीपक नामदेव कहते हैं कि इस मौसम में किसी भी दर्शनीय स्थल में संभावित खतरे को मोल न लेने खुद के साथ दूसरों को सुरक्षित व सचेत करने के लिए जागरुकता फैला रहे है क्योंकि बारिश के बाद फिसलन भरी स्थिति रहती है

**-दीपक नामदेव तेन्दूखेड़ा**

**मेट्रो एंकर** नभारी बारिश के बीच कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चित्र गुप्त घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान..

# मां नर्मदा के पवित्र घाटों पर ना करें गंदगी:सुमन वर्मा

**नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो**

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने स्थानीय चित्रगुप्त घाट पर रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया। भारी बारिश के बावजूद मातृ-शक्तियों ने घाट और आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की और कचरा डस्टबिन में डाला।

इस अवसर पर प्रखर समाजसेवी सुमन वर्मा ने कहा कि घाटों पर गंदगी ना करें। नर्मदा हमारी जीवन दायिनी है इसे साफ और स्वच्छ रखना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हमारे शहर की पहचान हमारे नर्मदा घाटों से होती है इसलिए हमें घाटों को साफ स्वच्छ रखना है। वहीं ज्योति वर्मा ने कहा कि मां नर्मदा हमारी जीवनदायनी है, इसलिए हमें उनकी सेवा करना और घाटों को साफ रखना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे घाट पर गंदगी और कचरा न डालें और मां नर्मदा को स्वच्छ और सुंदर रखें।

इस मौके पर प्रीती खरे, ज्योति वर्मा, सुमन वर्मा, लालता प्रसाद, मंजू श्रीवास्तव, नेहा थापक, दीपक थापक, रश्मि सक्सेना, सीबी खरे, जानकी, राजेंद्र श्रीवास्तव आर्य श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

### सैनी का सम्मान

नर्मदापुरम. लोक निर्माण विभाग के सेवानिवृत इंजीनियर आरके सैनी का गत दिवस स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा सम्मान किया गया. श्री सैनी नगर के एक वरिष्ठ नागरिक व समाजसेवी है. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा श्री सैनी का सम्मान किया जाने पर बैंक स्टाफ एवं नागरिकों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गई.

### केंद्रीय मंत्री चौहान और प्रभारी मंत्री पटेल बासौदा में आयोजित विविध कार्यक्रमों में शामिल हुए

# गंजबासौदा के पत्रकार भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया, रक्तदान शिविर में भी पहुंचे

## लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में लाडली बहनों से संवाद किया

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

सिरोंज। केंद्रीय कृषि तथा किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल आज बासौदा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

### रेलवे के उन्नयन कार्यों का जायजा लिया

बासौदा रेल्वे स्टेशन पर उतरते ही केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान और जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री जी की मंशा अनुरूप गंज बासौदा रेलवे स्टेशन का सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार कार्यो को क्रियान्वयन किया जा रहा है । अब तक हुए कार्यों का केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर जायजा लिया है। रेलवे स्टेशन परिसर में ही विकास कार्यों को रेखांकित करने वाली छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन केंद्रीय मंत्री द्वारा किया गया। इस दौरान स्टेशन मास्टर के द्वारा जानकारियां सांझा की गई है। उन्होंने यात्री गणों की सुविधा के लिए बनाए गए कक्षों में मौजूद यात्रीगणों से संवाद भी किया।

### लोकार्पण

सर्वप्रथम तहसील कार्यालय क्षेत्र में नवनिर्मित पत्रकार भवन के लोकार्पण एवं प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गंजबासौदा के वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय अनिल यादव की स्मृति में नवनिर्मित पत्रकार भवन का लोकार्पण फीता काटकर किया। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने इस दौरान अनिल दाऊ सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक में आयोजित रक्तदान शिविर में पहुंचकर शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं से चर्चा कर उनका हौंसला अफजाई किया। यहां आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। केन्द्रीय मंत्री श्री चैहान ने यहां बरगद का पौधा रोपित कर पेड़ लगाने व

पेड़ों का संरक्षण करने का संदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने पत्रकार भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय श्री अनिल यादव के संस्मरणों को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्हीं की स्मृति में आज सभी के सहयोग से यह आलीशान पत्रकार भवन बनकर तैयार हुआ है स्व. अनिल जी का स्वप्न आज पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय श्री अनिल यादव से उनका जुड़ाव छात्र राजनीति के दौरान हुआ था वह उनके बेहद करीब थे उन्होंने स्वर्गीय अनिल यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने राजनीति के ऊपर पत्रकारिता को स्थान दिया। वह विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते थे पर्यावरण, नदियों, खेत इत्यादि की चिंता कर उन्होंने इन सभी का संरक्षण करने का बीड़ा उठाया था कोविड महामारी में भी उन्होंने जन सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। कार्यक्रम को बासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी, बासौदा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव तथा देवन्द्र यादव ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन श्री यशपाल यादव ने किया।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने पत्रकारो को स्मृति चिन्ह व शाल श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे, विदिशा विधायक मुकेश टंडन, महाराज सिंह, राकेश जादौन सहित अन्य जनप्रतिनिधी गण पत्रकार बंधु व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

### लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल के बासौदा के मानस भवन में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में भी शामिल हुए जनपद पंचायत बासौदा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया गया।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर बहन को लखपति दीदी बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में कार्य किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि हर बहन लखपति दीदी बनें। इसी संकल्प की पूर्ति के लिए कार्य किये जा रहे हैं, ताकि हर बहन मुस्कुराए और आर्थिक रूप से सशक्त हो।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब लखपति दीदी के बाद मिलेनियम दीदी की और अग्रसर हो के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले कार्य समूहो के माध्यम से संपादित हो रहे है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना इत्यादि पर भी गहन प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज 55 लाख बेटियां लाडली लक्ष्मी बन चुकी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री जी को भी बधाई देते हुए कहा कि लाडली बहनों को प्रतिमा 1250 रुपए की राशि मिल रही है जो अब 1500 होने वाली है और आगामी समय में यह राशि बढ़कर 3000 होगी।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने इस दौरान लखपति दीदियों से मंच से ही संवाद कर लखपति दीदी बनने में आजीविका मिशन की क्या भूमिका रही को जाना। लखपति दीदियों ने भी किस प्रकार गतिविधियों का संचालन कर प्रतिमाह की आमदनी 10 हजार से ऊपर हुई है को विस्तार से बताया।

### कृषि महाविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत लाने की कवायद

## केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि महाविद्यालय के कार्यों की समीक्षा

**सिरोंज।** केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विदिशा जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने आज गंजबासौदा प्रवास के दौरान कृषि महाविद्यालय के कार्यों समीक्षा की गई।

केन्द्रीय मंत्री श्री चौहान ने बासौदा कृषि महाविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत लाने की कवायद को आश्वस्त कराते हुए कहा महाविद्यालय को जल्दी ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से एक टीम को अवलोकन हेतु गंज बासौदा कृषि महाविद्यालय में भेजा जाएगा। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह चौहान ने महाविद्यालय की विकास हेतु केंद्रीय निधि से राशि देने का आश्वासन देते हुए कहा कि महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु अतिरिक्त फंड की व्यवस्था की जाएगी ।महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद किया एवं महाविद्यालय में किया जा रहे गतिविधियों की प्रशंसा की उन्होंने महाविद्यालय के निर्माणाधीन भवन का भी अवलोकन किया है। समीक्षा बैठक की शुरुआत महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने महाविद्यालय में की जा रही गतिविधियों के संबंध में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए की गई थी। केन्द्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान का महाविद्यालय में पहुंचने पर सबसे पहले महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा गॉड आफ ऑनर दिया गया। इसके पश्चात् परिसर में पीपल के पौधे का रोपण कर पौधरोपण हेतु अभिप्रेरित किया है। बासौदा कृषि महाविद्यालय के भ्रमण निरीक्षण व समीक्षा बैठक के दौरान बासौदा विधायक हरि सिंह रघुवंशी समेत अन्य जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारी एवं छात्रों ने कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कार्यक्रम में लखपति दीदी श्रीमती कविता, श्रीमती अर्पिता जोशी, श्रीमती संतोषी कुशवाहा और श्रीमती विनीता अहिरवार ने आजीविका मिशन के स्व सहायता समूहों से जुड़कर किस तरह बैंक सखी, सीएससी सेंटर, आटा चक्की इत्यादि गतिविधियां प्रारंभ कर अपनी स्वयं की आय प्रति माह 15 से 20 हजार की और लखपति दीदी बनीं है को सांझा किया है।

बासौदा के मानस भवन में आयोजित लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम में स्वागत भाषण जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीतू देवेंद्र रघुवंशी ने देते हुए जनपद के माध्यम से संपादित किए जा रहे कार्यो को उल्लेखित किया।

कार्यक्रम में बासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, कुरवाई विधायक श्री हरिसिंह सप्रे, के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी गणमान्य नागरिक और लाडली बहनें मौजूद रहीं।

### निर्माणाधीन जन चिकित्सालय का निरीक्षण

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गंज बासौदा प्रवास के दौरान पुरानी मंडी में निर्माणाधीन डेढ़ सौ बिस्तरीय जन चिकित्सालय में तैयार किए जा रहे वार्डो का भ्रमण कर निरीक्षण किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार द्वारा सभी वार्डों में किस कक्ष में कौन सी गतिविधियां संचालित की जाएंगी से अवगत कराया। मंत्री द्वारा नवीन जन चिकित्सालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया। अस्पताल निर्माण एजेंसी के ठेकेदार को निर्देशित किया है कि सभी मटेरियल उच्च क्वालिटी का होना चाहिए। उन्होंने मदनबाबू पार्क वार्ड क्रमांक दस में संचालित मुख्य मंत्री संजीवनी क्लीनिक में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया और रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्त दान दाताओं को प्रशंसा स्वरूप प्रमाणपत्र प्रदान किए रक्त दान दाताओं द्वारा 88 यूनिट रक्त दान किया गया।

## आकांक्षा योजना तहत आन लाइन आवेदन नौ जुलाई तक आमंत्रित

**सिरोंज।** विदिशा आकांक्षा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए जीईई, एनईईटी एवं सीएलईटी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु भोपाल एवं इन्दौर में कोचिंग की सुविधा मुहैया कराई गई है इसके लिए दसवीं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थी ऑन लाइन आवेदन नौ जुलाई तक एमपी टॉस्क पोर्टल पर दर्ज कर सकते है।

आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की जिला संयोजक के द्वारा आकांक्षा योजना के संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार योजना तहत वर्ष 2025-26 में कुल चार सौ विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। जिन्हें जेईई की कोचिंग भोपाल जिला मुख्यालय पर तथा नीट की कोचिंग इन्दौर जिला मुख्यालय पर और सीएलईटी की कोचिंग जबलपुर मुख्यालय पर प्रदान की जाएगी। आकांक्षा योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को पूर्व उल्लेखित तीन संभाग मुख्यालयों पर आवासीय सुविधा, पुस्तके एवं स्टेशनरी, टेबलेट एवं अध्ययन हेतु इन्टरनेट डाटा प्लान की सुविधा निःशुल्क प्रदाय की जाएगी। योजना के तहत वर्ष 2025-26 में कक्षा 11वीं में प्रवेश लेने वाले अर्थात 10वीं उत्तीर्ण जनजाति वर्ग के विद्यार्थी आवेदन हेतु पात्र होंगे। चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 11वीं, एवं 12वीं में विद्यालय में प्रवेश के साथ-साथ, जेईई, नीट एवं सीएलईटी की प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु दो वर्ष की निःशुल्क कोचिंग सुविधा उपलब्ध रहेगी। आकांक्षा योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित पात्रताएं तदानुसार मध्यप्रदेश का मूल निवासी एवं जनजाति वर्ग का सदस्य होना अनिवार्य है। आवेदक के परिवार की समस्त स्त्रोतो से वार्षिक आय आठ लाख रूपए से अधिक ना हो। विद्यार्थी ने 60 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक के साथ कक्षा दसवीं उत्तीर्ण की हो, कोचिंग संस्था में प्रवेश का माध्यम प्राप्तांको की मेरिट सूची के आधार पर किया जाएगा। कोचिंग में प्रवेश लेने वाले इच्छुक विद्यार्थियों को एमपी टॉस्क पोर्टल www.tribal.mp.gov.in पर ऑन लाइन आवेदन करना होगा। आकांक्षा योजना में ऑन लाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि नौ जुलाई तक अनिवार्य करना होगा। ततसंबंध में अन्य जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर 1800-2333-951 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

## अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों को सीएमओ ने दी चेतावनी

**तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो**

नगर के मुख्य मार्गों से दोनों तरफ हाथठेला एवं टीन-टप्पर वाले दुकानदारों अपना कब्जा कर रखा है और अपनी दुकानों को सड़क से आगे बढ़कर दुकान लगा लेते हैं और रोड पर अतिक्रमण कर लेते है नगर परिषद द्वारा जिन दुकानों के सामने लोगों को चलने के लिए रास्ता बनाया था वहां दुकानदारों ने अपनी अपनी दुकान के सामने दीवाल उठाकर सटर को आगे बढ़ा लिया है और फिर इतना ही नहीं अपनी दुकान के सामने अतिक्रमण के रूप में सड़क तक अपने सामान को फैला लेते हैं जिससे आमजन को निकलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है अतिक्रमण के मामले को लेकर शनिवार को नगर परिषद सीएमओ पीयूष अग्रवाल एवं नायब तहसीलदार चंदशेखर शिल्पी नगर परिषद उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर एक दोनों विभागों के कर्मचारियों के द्वारा नगर में अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों को चेतावनी देते हुए उनके सामान जो सड़क किनारे तक लगे हुए थे उनको अंदर कराया और चेतावनी देता हुए द्वारा से अपनी हद तक दुकानें लगाने कहा इसमें सीएमओ पीयूष अग्रवाल ने सभी को नोटिस देने की बात कही है नोटिस के बाद यदि किसी का सामान सड़क के किनारे पाया जाता है तो सभी सामान को जप्त कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार सिरोंज तहसील कमेटी घोषित

**सिरोंज।** ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद के निर्देश पर तहसील अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू ठेकेदार द्वारा अपनी तहसील कमेटी की घोषणा कर दी जिसमें वाजिद खान मेकेनिक को उपाध्यक्ष,नफीस कुरेशी उपाध्यक्ष,जाकिर खान को महासचिव,हामिद खान को सचिव,मुदीर अहमद को सचिव,मोहम्मद खालिद कुरैशी को सह सचिव,आशु खान को मीडिया प्रभारी,नियुक्त किया गया इस अवसर पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के जिला उपाध्यक्ष वसीम अख्तर,जिला महासचिव वाजिद कुरैशी,नगर अध्यक्ष वाहिद गौरी,पत्रकार सईद खान,मोहम्मद फाजिल नट छाप बीड़ी,मोहम्मद अनवार खान,कवि गौरी,डॉक्टर सोहेल अहमद,मोहम्मद सादिक अंसारी,हसीन खान,बब्लू खान, मोहम्मद इस्माइल खान,फारुक़ खान,मोहम्मद हसीन कुरैशी,कामरान ठेकेदार,मोहम्मद शाहज़ेब कुरैशी,अफराज कुरैशी, मोहम्मद शोएब कुरैशी,मोहम्मद साइम अंसारी सहित बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद रहे।

## कोऑपरेटिव सोसाइटी हुई बंद, उसके एजेंट को जमा करने वालों ने पुलिस को सौंपा

**सिरोंज, दोपहर मेट्रो**

आम जनता की मेहनत की कमाई को लूटने के लिए कई सालों से फर्जी सोसाइटियां खोलकर करोड़ों रुपए हड़पने का काम करके चलनेवाले गायब हो गई है जमा करता राशि को पाने के लिए दर-दर भटकना है। इनको संचालित करने वाले स्थानीय पढ़े-लिखे युवाओं को इस काम में लगती हैं। फर्जी सोसाइटी चलने वाले पहले तो बड़े तामझाम दिखाती हैं कुछ लोगों को छोटी-मोटी राशि भी देती है बड़ी रकम वसूलकर इनको चलने वाले गायब हो जाते हैं। थोड़ी-थोड़ी राशि जमा करने वाले दुकानदार उत्त राशि के लिए परेशान हो रहे हैं। एज जे सी सोसाइटी के एजेंट को जरूर जमा कर्ताओं ने पड़कर पुलिस के हवाले किया है उसके बाद शिकायत करने वालों की लाइन लग गई। ऐसी कई फर्जी समिति है जो लोगों जमापूंजी लेकर चली गई है । लंबे समय चली और 1 साल से बंद था एल जे सी नाम की सोसाइटी तथा एजेंटों पर जमा करने वालों की शिकायत पर पुलिस ने शिकंजा करने के लिए अपनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। कुछ सालों कई छोटे और बड़े दुकानदार से प्रतिदिन रकम वसूल रही थी पिछले 1 सालों तक छोटी रकम वापस कर दिए इसके बाद बड़े खाते खोलकर बड़ी रकम वसूल कर कार्यालय भी बंद कर दिया और इसको चलाने वाले भी लापता हो गए। मेहनत की कमाई में से कुछ राशि जोड़ने के लिए ऐसा करने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात तो है कि लोगों को ठगने के लिए पहले तो बड़े स्तर पर कार्यालय खोला था मोटी राशि लेकर वापस करने की बारी आई तो कार्यालय बंद

कर दिया गया। एजेंट भी गायब हो गए थे।शनिवार की रात्रि में 176000 जमा करने वाले महेंद्र जैन ने कृष्णा मोहन के एजेंट को पकड़ लिया और जमा-पूंजी वापस मांगी तो कहने लग सोसाइटी बंद हो गई इसके बाद एजेंट को थाने ले जाकर पुलिस के हवाले कर दिया जैसे ही राशि जमा करने वलों को इसके पकड़े जाने की जानकारी लगी तो शिकायत करने वालों की भीड़ लग गई। थाना प्रभारी पंकज गीते ने बताया कि अब तक 11 लोगों ने लिखित में शिकायत की है 10 लाख के करीब इनकी रकम जमा है और भी लोग शिकायत करने आ सकते हैं एफआईआर दर्ज करके कई कार्रवाई की जा रही है।लंबे समय से हमको भी इसकी तलाश थी कृष्ण मोहन पर प्रकरण दर्ज करके अन्य लोगों की जानकारी ले रहे हैं साथ ही जमा राशि कहां होती थी उसकी जानकारी लेकर आगे कार्रवाई भी करेंगे दूसरी ओर इस तरह की कई फर्जी समिति या सोसाइटी अभी भी शहर में काम कर रही है ऐसे लोगों की बातों में फंसकर कोई भी अपनी जमा पूंजी इनको ना दे थोड़ा ब्याज ज्यादा देने के लालच में आकर कई दुकानदार इनको प्रतिदिन पैसे देते खाता खोलते समय एजेंट बड़े-बड़े सपने दिखाती है इस वजह से कई लोग इनके फेर में फंस जाते हैं कुछ दोनों के बाद फर्जी तरीके से इनको चलाने वाले रफू चक्कर हो जाती है। करोड़ रुपए का गोलमाल इन फर्जी सोसाइटियों ने अब तक किया है। बड़े-बड़े ऑफिस खोलते हैं कुछ महीना तक काम अच्छा चलता है जैसे ही रकम अच्छी हो जाती है तो सोसाइटी संचालित करने वाले सामान समेट लेते हैं एजेंट भी परेशान होते हैं। इनके संचालक बड़े शातिर होते हैं वसूली के लिए स्थानीय पढ़े-लिखे युवाओं को इस काम में लगते हैं मतलब पूरा होते चलते बनते हैं जमा करने वाले इनको ढूंढते रहते हैं।

### इनका कहना है

लोगों की जमा पूंजी लेकर वापस नहीं करने पर एक एजेंट को जमा कर्ताओं ने पकड़ लिया है उसके खिलाफ मामला दर्ज करके करवाई की जा रही है।

- पंकज गीते थानाप्रभारी

## राजेंद्र जैन की सेवानिवृत्ति पर अभिवादन समारोह संपन्न

**तेंदूखेड़ा !** रविवार को सेवानिवृत्ति अभिवादन समारोह कार्यक्रम जैन धर्मशाला में दोपहर 2बजे शुभारंभ हुआ श्री राजेंद्र जैन ने झलौन इमलिया घाट माडनखेडा समिति प्रबंधक के रूप में सेवाएं दी 30जुन 2025 को झलोंन सेवा सरकारी समिति से सेवानिवृत्ति हुऐ जिसकी उपलक्ष में सेवानिवृत्ति अभिवादन समारोह रखा गया जिसमें पूर्व विधायक प्रताप सिंह सुंदरलाल

जैन खिलान सिंह ठाकुर पुरा जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव सुरेश चंद्र जैन पदमचंद जैन पूर्व रिटायर गुलाब सींग मासाब पूर्व सरपंच हल्के दाऊ एब कई ग्रामों से सरपंच शिक्षक समिति स्टाफ जैसे तेंदूखेड़ा तेजगढ़ तारादेही समनापुर टोरी ससना धनेटा उमरिया लकलका सोमखेडा इमलिया घाट झापन हिनोती पुरा बैरागढ़ सेहरी मगदुपुरा झलोन के सैकड़ो की भारी संख्या लोगों ने श्रीफल साल एवं माला पहनकर अभिवादन किया

## टीम इंडिया ने तोड़ा बर्मिंघम का तिलिस्म

### दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रन से हराया, 5 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर

# पांच फैक्टर जिसके दम पर टीम इंडिया ने किया एजबेस्टन फतह

## शुभमन की क्लास, आकाश दीप-सिराज का पेस अटैक

**बर्मिंघम, एजेंसी**

**भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट मैच में 336 रनों से जीत हासिल की। मुकाबले में इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रनों का टारगेट मिला था, जिसका पीछा करते हुए उसकी पूरी टीम दूसरी पारी में 271 रनों पर सिमट गई। इस जीत के चलते पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत ने 1-1 की बराबरी कर ली है। सीरीज का तीसरा मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर 10 जुलाई (गुरुवार) से खेला जाना है।**

भारतीय टीम को लीड्स टेस्ट मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद टीम की रणनीति की आलोचना हो रही। अब इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी लय में दिखे और एजबेस्टन के मैदान पर पहली टेस्ट जीत हासिल की। भारतीय टीम की जीत में 5 फैक्टर्स की अहम भूमिका रही।

### गिल की शानदार कैप्टेंसी और अद्भुत बल्लेबाजी

भारतीय टीम की जीत में शुभमन गिल के दो शतकों की अहम भूमिका रही। शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाए। फिर उन्होंने दूसरी पारी में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 161 रन बनाए। यानी इस मैच में शुभमन के बल्ले से 430 रन निकले। शुभमन गिल की कप्तानी भी पिछले मुकाबले की तुलना में अच्छी रही।

**आकाश-सिराज का पैस अटैक:** भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह के बिना इस मुकाबले में उतरी थी। लेकिन उनकी कमी आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने पूरी की। सिराज ने पहली पारी में छह विकेट झटके। वहीं आकाश दीप ने दूसरी इनिंग्स में 6 विकेट चटकाए। आकाश दीप ने पहली पारी में भी चार विकेट हासिल किए थे। यानी उन्होंने इस मुकाबले में 10 विकेट झटके। पहली पारी में जेमी स्मिथ और हैरी ब्रूक के बीच हुई 303 रनों की पार्टनरशिप के बाद इन दोनों गेंदबाजों ने ही भारत की वापसी कराई थी और आखिरी के 5 विकेट जल्द झटक लिए थे।

**फील्डिंग में भी सुधार:** लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने 8 कैच छोड़े थे। उस मैच की तुलना में भारतीय टीम का इस मैच में फील्ड में प्रदर्शन अच्छा रहा। कुछ मौके जरूर भारतीय खिलाड़ियों ने गंवाए, लेकिन जब विकेट लेने की बारी आई तो गेंदबाजों का साथ फील्डर्स ने बखूबी दिया। इसका नतीजा भी इस मुकाबले में देखने को मिला।

**कमजोर इंग्लिश गेंदबाजी|** मुकाबले में भारतीय टीम ने दोनों पारियों को मिलाकर 1000 से ज्यादा रन बनाए। इससे पता चलता है कि मेजबान टीम की गेंदबाजी ने किस कदर स्ट्रगल किया होगा। दूसरी पारी में इंग्लिश गेंदबाज तो इस बात का इंतजार करते रहे कि भारतीय टीम कब डिक्लेरेशन करेगी। इंग्लैंड की टीम इस मैच में जोफा आर्चर को यदि खिलाती, तो हो सकता था कि वो कुछ प्रभाव छोड़ते। हालांकि इंग्लैंड ने विनिंग कॉम्बिनेशन में बदलाव नहीं करने का फैसला किया

**जडेजा-सुंदर का ऑलराउंड खेल|** रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर के प्रदर्शन को भी नकारा नहीं जा सकता है। जडेजा ने पहली पारी में 89 और दूसरी पारी में नाबाद 69 रन बनाए। वहीं सुंदर ने पहली इनिंग्स में 42 रन बनाए। जडेजा और सुंदर ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में 1-1 विकेट भी झटका। इंग्लिश कप्तान स्टोक्स का विकेट तो दूसरी पारी में काफी अहम रहा, जो सुंदर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए थे।

### जबेस्टन में टीम इंडिया की जीत से गदगद हुए विराट कोहली, खास अंदाज में गिल को दी बधाई

शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने रविवार, 6 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 336 रनों की दमदार जीत दर्ज की। इस बीच, पूर्व टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने भारतीय टीम के इस प्रदर्शन पर बेहद खुशी जताई, खासकर तब जब टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में उपलब्ध नहीं थे। कोहली ने कप्तान शुभमन गिल की शानदार बल्लेबाज़ी (पहली पारी में 269 रन और दूसरी पारी में 161 रन) की जमकर सराहना की, साथ ही तेज गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज

और आकाश दीप की शानदार गेंदबाज़ी की भी विशेष रूप से प्रशंसा की। विराट कोहली ने एक्स पर लिखा, %भारत की एजबेस्टन में शानदार जीत। निडर खेल और इंग्लैंड को लगातार दबाव में डाला। शुभमन ने बल्लेबाज़ी और कप्तानी में बेहतरीन नेतृत्व किया। हर खिलाड़ी ने योगदान दिया। सिराज और आकाश की गेंदबाज़ी विशेष रूप से काबिले तारीफ रही।

कप्तान शुभमन गिल ने भी बर्मिंघम टेस्ट में टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताया, खासकर पहले टेस्ट में हेडिंग्ले में मिली हार के बाद। 25 वर्षीय गिल ने बताया कि पिछली हार के बाद टीम ने जो रणनीति बनाई थी, उसे इस मैच में पूरी तरह अमल में लाया गया। उन्होंने कहा कि गेंदबाज़ी और फील्डिंग में जो सुधार हुआ, वह शानदार था। f

## विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने जोकोविच

**लंदन, एजेंसी**

नोवाक जोकोविच विबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने तीसरे दौर में सिंबया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की। उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे। जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं। उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं। अपना 20वां विबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं। टेनिस के वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर ने विंबलडन के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उन्होंने तीसरे राउंड के मुकाबले में स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को सीधे सेट में हरा दिया। दूसरी ओर विमेंस सिंगल्स में भी नंबर-1 एरिना सबालेंका ने अपना मैच जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली। सिनर ने 3 डबल फॉल्ट किए इटली के सिनर ने मार्टिनेज को 6-1, 6-3, 6-1 के अंतर से हराया।

## महिलाओं की 5000-1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

**यूजीन (अमेरिका।** कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14ञ00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3ञ49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

**मनोरंजन**

**बॉलीवुड का कोना**

## बॉर्डर-2 के बाद भी दिलजीत संग काम जारी रखेगी टी सीरीज, बैन की अटकलों पर ब्रेक!

दिलजीत दोसांझ की बॉर्डर 2 पर विवाद पिछले कुछ समय में काफी ज्यादा बढ़ गया है। कुछ दिनों पहले FWICE के लीडर ने बातचीत में दावा किया था कि टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार ने वादा किया है कि वो बॉर्डर 2 के बाद दिलजीत संग काम नहीं करेंगे। अब भूषण कुमार के एक करीबी सूत्र का कहना है कि ये सभी खबरें झूठी हैं।

मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, टी-सीरीज ने दिलजीत संग काम नहीं करने की खबरों को नकारा है। भूषण कुमार के एक करीबी सूत्र का कहना है कि सिंगर का टी-सीरीज के साथ काफी अच्छा रिलेशन है और वो बॉर्डर 2के बाद भी साथ काम करेंगे। सूत्र ने बताया, दिलजीत के साथ टी-सीरीज आगे काम नहीं करेगा, ये खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। टी-सीरीज ने हमेशा दिलजीत के साथ एक मजबूत और इज्जतदार रिलेशन रखा किया है और हम आगे भी उनके साथ कई सारे प्रोजेक्ट्स के लिए कोलैब करेंगे।

फिल्म बॉर्डर 2 में दिलजीत दोसांझ की कास्टिंग पर (द फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज) ने प्रोड्यूसर्स को लेटर भेजा था। उनकी डिमांड की थी कि दिलजीत को फिल्म से हटाया जाए और उनके पार्ट के सीन्स किसी और एक्टर को हायर करके फिर से शूट किए जाएं।

## डॉन 3 की शूटिंग जल्द शुरू करेंगे कियारा-रणवीर! इस एक्ट्रेस की होगी सरप्राइज एंट्री

एक्टर रणवीर सिंह ने आज अपने फैंस को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। पहले उनकी फिल्म धुरंधर के फर्स्ट लुक ने सोशल मीडिया पर बड़ा धमाका किया। अब उनकी एक और बड़ी फिल्म डॉन 3 से जुड़ी लेटेस्ट अपडेट सामने आई है। खबर है कि रणवीर, एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के साथ जल्द अपनी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

डॉन 3 जिसे फरहान अख्तर डायरेक्ट करने वाले हैं, खबर है कि अब बहुत जल्द इसकी शूटिंग शुरू होने वाली है। फिल्म पिछले काफी समय से अलग-अलग परेशानियों के कारण अटकी हुई थी। मगर अब मेकर्स इसपर जल्द से जल्द काम शुरू करने का प्लान कर रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉन 3 अगले साल की शुरुआत में शूट होनी शुरू होगी। सूत्रों का कहना है, हां, शूट शुरू होने में देरी हुई है लेकिन इसमें कुछ किया नहीं जा सकता था। रणवीर सिंह जिन्होंने शाहरुख खान को इस फ्रेंचाइजी में रिप्लेस किया, उन्हें शाहरुख की जगह आने के लिए ऑनलाइन काफी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। फरहान और रणवीर ने खुद ये फैसला किया कि वो इस मामले के थोड़ा ठंडा होने का इंतजार करेंगे। वहीं रणवीर को भी अपने रोल के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार होना था जिसके लिए उन्हें मार्शियल आर्ट्स की ट्रेनिंग लेनी थी।

सूत्रों ने आगे बताया कि फिल्म के डायरेक्टर फरहान को शूट के लिए कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

### डॉन 3 से बाहर नहीं हुईं कियारा आडवाणी?

फरहान को फिल्म इन सभी बदलते हुए कारणों के चलते रोकनी पड़ी। इसके साथ वो खुद अपनी वॉर फिल्म 120 बहादुर की शूटिंग में बिजी थे जिसमें वो मेजर शैतान सिंह का रोल प्ले कर रहे हैं। उनकी फिल्म 21 नवंबर को रिलीज होगी। अब सभी परेशानियों के दूर हो जाने के बाद वो डॉन 3 पर दोबारा काम कर रहे हैं जिसकी शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होगी। फिल्म को दिसंबर 2026 में रिलीज करने का प्लान है। सूत्रों ने अंत में ये भी कहा कि शायद डॉन 3 में ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की सरप्राइज एंट्री हो सकती है। एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने जब अपनी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी, तब ऐसी खबरें सामने आई थीं कि वो फरहान अख्तर की फिल्म से बाहर हो गई हैं। बीच में ये भी रिपोर्ट्स थीं कि कियारा की जगह फिल्म में कृति सेनन को कास्ट किया गया है।

**मेट्रो बाजार**

## गोल्ड में लौटेगी चमक, साल के अंत तक जाएगा इस लेवल पर

नई दिल्ली। अगर आपने सोने में निवेश किया है और हालिया गिरावट को लेकर चिंतित हैं, तो राहत की खबर है।आईसीआईसीआई बैंक ग्लोबल मार्केट्स की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 की दूसरी छमाही में गोल्ड की कीमतों में एक बार फिर तेजी देखने को मिलेगी और यह साल के अंत तक 1,00,000 प्रति 10 ग्राम के पार जा सकता है। फिलहाल गोल्ड की कीमतें 96,500 से 98,500 प्रति 10 ग्राम के बीच ट्रेड कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक कंसॉलिडेशन फेज है और जल्द ही

कीमतें पहले 98,500 और फिर 1,00,000 के पार जा सकती हैं। गोल्ड में आई हालिया गिरावट की वजह भू-राजनीतिक तनावों में नरमी मानी जा रही है। ईरान-इजरायल सीजफायर और अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ डील से बाजार में स्थिरता लौटी है। इस साल अप्रैल में गोल्ड ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,500 प्रति औंस का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। भारत में भी उस समय सोने का भाव 1 लाख प्रति 10 ग्राम के पार चला गया था। भले ही उसके बाद थोड़ी गिरावट आई लेकिन गोल्ड अब भी 2025 में करीब 28त्न का रिटर्न दे चुका है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि गोल्ड का आउटलुक स्ट्रॉन्ग है। विशेषज्ञों की सलाह है कि मौजूदा गिरावट को देखकर गोल्ड ईटीएफ या म्यूचुअल फंड स्कीम्स से बाहर निकलना नुकसानदायक हो सकता है।

## सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण 70,325 करोड़ घटा

**मुंबई।** सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 70,325.5 करोड़ रुपये की गिरावट आई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 626.01 अंक या 0.74 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार मूल्यांकन बढ़ा। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सिंवसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत घट गई। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 19,284.8 करोड़ रुपये घटकर 15,25,339.72 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्यांकन में 13,566.92 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 10,29,470.57 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 13,236.44 करोड़ रुपये घटकर 5,74,977.11 करोड़ रुपये पर और एलआईसी की 10,246.49 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,95,277.16 करोड़ रुपये पर आ गई।

### हाई बीपी और बढ़ी रहता था शुगर, हार्ट अटैक की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

# फार्म हाउस के पास कार में कारोबारी की लाश मिली, तीन दिन से थे गुमशुदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

**सूखीसेवनिया पुलिस ने पिपलिया जाहिर पीर गांव में बीजासन फार्म हाउस के पास सड़क पर खड़ी कार से कारोबारी की लाश बरामद की है। लाश दो तीन दिन पुरानी होने के कारण बुरी तरह से सड़क चुकी थी। पुलिस ने एफएसएल की टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराने के बाद लाश पीएम के लिए मर्चूरी भेज दी है। मृतक की पहचान संत आशाराम नगर निवासी कपिल शर्मा के रूप में की गई। कपिल शर्मा प्रॉपर्टी का काम करते थे। इसके अलावा इंटीरियर डेकोरेटर भी थे। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।**

थाना प्रभारी रामबाबू शर्मा ने बताया कि कपिल शर्मा (45) संत आशाराम नगर बागसेवनिया में रहते थे और प्रॉपर्टी का काम करतेथे। पिपलिया जाहिर पीर सूखीसेवनिया में प्रेम जी यूनिवर्सिटी के पास से अंदर की तरफ बीजासन नाम से फार्म हाउस काटे जा रहे हैं। यहीं पर कपिल शर्मा का आना जानाथा। वे आखिरी बार 2-3 जुलाई कौ अपने दोस्त के साथ यहां पहुंचे थे। इसके बाद से लापता था। उनसे परिजन ने संपर्क करना है, लेकिन परिजन का संपक नहीं हो सका। 3 जून परिजन ने थाने पहुंचकर उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

### कार में पीथी शराब

बताया जाता है कि बीती शाम कॉलोनी के चौकीदार ने कॉलोनी के पास कार खड़ी देखीथी। कार उसे एक दो दिन से खड़ी नजर आ रही थी। उसने पास जाकर देखा तो अंदर सीट पर उसे लाश नजर आई। उसने तत्काल आासपास के लोगों को सूचना दी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और लाश बाहर निकाल पीएम के लिए भेज दी। पुलिस को कार में शराब की बोतल, डिस्पोजल और अन्य सामान मिला है। पुलिस का कहना है कि उनके साथी से पूछताछ की तो उसने बताया कि शराब पीने के बाद कपिल ने उन्हें छोड़ दियाथा और वह अकेले निकल गएथे।

### शरीर पर नहीं मिले चोट के निशान

थाना प्रभारी चौधरी ने बताया कि एफएसएल की टीम को बुलाकर जांच कराई गईथी। कपिल शर्मा के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले है। लाश दो से तीन दिन पुरानी है और डिकंपोज होने लगी थी। निरीक्षण में संदिग्ध कुछ भी नहीं मिला है, जो हत्या की तरफ इशारा कर सके। परिजन ने बताया कि कपिल शर्मा की शुगर काफी ज्यादा बढ़ीथी और साथ ही ब्लड प्रेशर भी बढ़ा रहता था।

## बच्चे की मौत पर डेयरी संचालक पर केस

**भोपाल।** ईंटखेड़ी इलाके में स्थित एक डेयरी में पानी की टंकी में डूबने से हुई मासूम बच्चे की मौत के मामले में पुलिस ने डेयरी संचालक के खिलाफ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार सत्यम रावत पुत्र विजय रावत (5) अपने परिवार के साथ ईंटखेड़ी स्थित राजा मियां की डेयरी पर रहता था। यहां पर भैंसों को पानी पिलाने और नहाने धोने के लिए पानी की टंकी (हौदी) बना हुई है। पिछले दिनों सत्यम इसी हौदी में डूब गया था। उसे पानी से निकालकर इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया था। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि पानी की टंकी को ढंका नहीं गया था, जिससे बालक हादसे का शिकार हुआ। इस पर पुलिस ने संचालक राजा मियां के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# बोलेरो लोडिंग की टक्कर से घायल बाइक सवार की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी इलाके में एक तेज रफ्तार बोलेरो लोडिंग वाहन के चालक ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए निजी अस्पातल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज किया गया था। घायल की मौत के बाद चालक पर धाराएं बढ़ाई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार खेमचंद जाट (55) ग्राम निपानिया जाट ईंटखेड़ी में रहते थे। बीती पांच जुलाई की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह अपनी बजाज प्लेटिना बाइक से सब्जी मंडी करोंद से सब्जी खरीदकर वापस अपने घर निपानिया जाट लौट रहे थे।

उनके पीछे भतीजा भगवान सिंह जाट भी अपनी बाइक से घर लौट रहा था। खेमचंद जाट जैसे ही आरोग्य निधि अस्पताल के पास पहुंचे, वैसे ही भोपाल से बैरसिया की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन के चालक ने खेमचंद की बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही खेमचंद बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

भतीजे भगवान सिंह ने चाचा को इलाज के लिए भानपुर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां रविवार की शाम को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

## इंटरपोल ने मांगा अंतरराष्ट्रीय तस्कर ताशी शेरपा से जुड़ा डाटा

**भोपाल।** फ्रांस के ल्योन शहर में स्थित इंटरपोल मुख्यालय ने भारत से अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्कर ताशी शेरपा से जुड़ा डेटा मांगा है। यह भारत, चीन, नेपाल व भूटान जैसे कई देशों के बीच बाघों के अंगों की तस्करी कर चुका है। इंटरपोल को कई वर्षों से इसकी तलाश थी, उसके खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किए थे लेकिन वह इंटरपोल की पकड़ में नहीं आया। मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एमपी एसटीएसएफ) ने उसे 25 जनवरी 2024 को भारत-नेपाल सीमा पर सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) से गिरफ्तार किया था। नर्मदापुरम कोर्ट ने मई 2025 में 5 साल की सजा सुनाई है। मामला एमपी एसटीएसएफ द्वारा गिरफ्तार व सजा दिलाने से जुड़ा जिसके बाद से अंतरराष्ट्रीय तस्कर के खिलाफ की गई एसटीएसएफ की कार्रवाई की दुनिया भर में तारीफ हो रही है। खुद इंटरपोल ने भी इस काम के लिए सराहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एसटीएसएफ को इस सफलता के लिए बधाई दी और उक्त कार्रवाई को अंजाम देने वाले अफसरों, वनकर्मियों को सम्मानित करने की घोषणा की है। इंटरपोल ने जून 2025 में एमपी एसटीएसएफ को लिखे पत्र में कहा कि भारत में शेरपा के खिलाफ अभियोजन का निष्कर्ष अच्छा है। इंटरपोल ने ताशी से जुड़ा टेलीफोन डेटा, वित्तीय रिकॉर्ड, व्यावसायिक विवरण, पूछताछ रिकॉर्ड, ज्ञात, संदिग्ध सहयोगी आदि का ब्यौरा मांगा है। यह भी कहा कि जरुरत पड़ी तो शेरपा से जब्त किए टेलीफोन से डेटा निकालने में भी मदद करेंगे। किसी भी डेटा का विश्लेषण किया जाएगा और भारत अनुमति देता है तो अन्य इंटरपोल सदस्य देशों के साथ संयुक्त जांच शुरू करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव अपराधों के खिलाफ बड़ी सफलता इंटरपोल की ओर से कहा गया कि 2015 में ताशी को एमपी एसटीएसएफ ने इंटरपोल के ध्यान में लाया था। वह भारत, नेपाल, भूटान और चीन के बीच बाघों की तस्करी करने वाले एक संगठित आपराधिक सिंडिकेट में एक प्रमुख ऑपरेटिव के रूप में पहचाना गया था। उसकी गिरफ्तारी से पहले के नौ वर्षों में इंटरपोल ने एक डिफ्यूज़न जारी किया उसकी गिरफ्तारी, और मुकदमा चलाना अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव अपराध के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता है।

# स्कूटर-बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अरेरा हिल्स थानांतर्गत पुरानी विधानसभा के पास स्कूटर और बाइक के बीच आपस में भिड़ंत हो गई, जिससे दोनों वाहनों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने एक्सीडेंट का काउंटर केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार पुरानी विधानसभा के सामने रहने वाला कैलाश एक चाय की दुकान पर काम करता है। शनिवार की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने दोस्त सौरभ पाटिल के साथ दुकान बंद कर स्कूटर से घर लौट रहा था। पुरानी विधानसभा के पास पंजाब ज्वैलर्स के सामने एक मोटर सायकिल चालक ने उनकी स्कूटर में टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए।

इसी प्रकार बाइक पर सवार रोहन जाटव को भी गंभीर चोट आई है। हादसे के समय वह बाइक लेकर मालवीय नगर स्थित अस्पताल की तरफ जा रहा था।

इस हादसे में रोहन को गंभीर चोट आई है, जिसे इलाज के लिए मालीपुरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रोहन की हालत गंभीर होने के कारण उसके चाचा की रिपोर्ट पर पुलिस ने स्कूटर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

# घर पहुंचे महिला और उसके साथी ने युवती से मोबाइल झपटा

**पिता का पूछा, फिर मोबाइल पर बात कराने का कहा और झपटकर ले गए मोबाइल**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित सुदामा नगर में रविवार दोपहर घर पहुंचे महिला और उसके साथी ने युवती से मोबाइल झपट लिया। युवती का कहना है कि वे घर पहुंचे थे और धमका रहे थे कि तुम्हारे पिता कहां है उन्हें कॉल कर रहे हैं, लेकिन वह हमारा कॉल रीसिव नहीं कर रहे है। उन्होंने युवती को अपने पिता से कॉल करने का कहा।

वह पिता को कॉल करने लगी तभी युवक ने उसके हाथ से मोबाइल झपटा और यह कहते हुए चला गया कि पिता आएगे तो बता देना योगेंद्र साहू और रीता आएथे। पुलिस को मामला पुराने लेनदेन के विवाद का लग रहा है। फरियादी के कहने पर पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार स्नेहा जामगड़े पिता आनंद जामगड़े (19) सुदामा नगर, ऐशबाग में रहती हैं और पढ़ाई करती है। उसके पिता मीडिया हाउस में नौकरी करते हैं, जबकि भाई वकालत करता है।

स्नेहा ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर वह घर अकेली थी, जबकि पिता और भाई अपने काम पर थे। दोपहर करीब एक बजे के आसपास उनके घर एक महिला और पुरूष पहुंचे। वे कहने लगे कि तुम्हारे पापा कहां है। उन्हें लगातार कॉल कर रहे हैं, लेकिन वह हमारा कॉल रिसीव नहीं कर रहे हैं।

**मेट्रो एंकर** सफर के दौरान नहीं थम रही चोरी की वारदातें

# सीट पर रखा लैपटॉप व मोबाइल समेत हजारों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमरकंटक एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक युवक का लैपटाप वाला बैग चोरी चला गया। इधर कई अन्य यात्रियों के मोबाइल फोन समेत अन्य सामान चोरी चला गया। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार लालबाग कालोनी गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी नीलेश पटेल अमरकंटक एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में रायपुर से भोपाल की यात्रा कर रहा था। इटारसी स्टेशन निकलने के बाद वह अपनी सीट से उतरकर नीचे वाली सीट पर जाकर बैग गया, जबकि उसका बैग ऊपर वाली सीट पर ही रखा हुआ था। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन आने से पहले देखा तो सीट पर रखा बैग चोरी हो चुका था। चोरी गए बैग में 30 हजार रुपए कीमत का लैपटाप, तीन एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैनकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बाइक का आरसी कार्ड समेत अन्य जरूरी कागजात रखे हुए थे। इधर जबलपुर निवासी बरकतुल्ला अंसारी श्रीधाम एक्सप्रेस के आगे दिव्यांग कोच में रेलवे स्टेशन हजरत निजामुद्दीन से जबलपुर की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान वह अपने पिट्ठू बैग पर सिर रखकर सो गए थे। नींद खुलने पर उन्होंने मोबाइल में आने वाला स्टेशन देखा और वापस मोबाइल को बैग में रख दिया। कुछ देर बाद ही उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। केरला एक्सप्रेस में युवक का मोबाइल चोरी चंपारण जिला बिहार निवासी साहेब आलम पिछले दिनों केरला एक्सप्रेस के जनरल कोच में बैठकर पालकाड से नई दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। रेलवे स्टेशन भोपाल के आसपास उन्होंने देखा तो इन फिनिक्स कंपनी का मोबाइल फोन चोरी हो गया। जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। चोरी गए जेवरात की कीमत दस हजार रुपए बताई गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022